हिन्दी पुष्पमाला

V

(पाँचवीं कक्षा के लिए पाठ्य पुस्तक)

लेखक :–

इबोहल सिंह काङ्जम

देवराज

रघुमणि शर्मा

लोकेन्द्र शर्मा

ब्रजकुमार शर्मा

लनचेनबा मीतै

बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एडूकेशन

मणिपुर

Published By :
The Secretary,
Board of Secondary Education,
Manipur

© Board of Secondary Education, Manipur

52 BSEM

1st Edition	:	March, 2011
2nd Edition	:	December, 2011
3rd Edition	:	November, 2012
4th Edition	:	August, 2014
Reprint	:	October, 2015
Reprint	:	February, 2016
Revised Edition	:	September, 2017
Reprint	:	December, 2018
Reprint	:	October, 2019

Copies : 7,000

Price : R **70.00**

Printed at : ***Y.K. Printers***, Khurai Lamlong Thongkhong, Pangei Road, Imphal East

सचिव का निवेदन

विश्व की बदलती परिस्थितियों, वातावरण और परिवेश के साथ कदम मिलाकर चलने के लिए यह amïi->r` mR² `M`m© H$s énaoIm-2005 (EZ.gr.E\$-2005) के अनुसार पाठ्‌य पुस्तकों का निर्माण कराकर प्रकाशित करता आ रहा है। शिक्षा को उच्च स्तर तक उठाना इस बोर्ड की कोशिश रही है।

जो पुस्तकें amïi->r` mR² `M`m© H$s énaoIm-2000 के अन्तर्गत लिखकर प्रकाशित की गईं, उनको नये amïi->r` mR² `M`m© H$s énaoIm-2005 (EZ.gr.E\$-2005) के अनुसार संशोधित तथा परिवर्धित कर समयानुकूल बनवाकर प्रकाशित किया जा रहा है। यह भी लक्ष्य रखा गया है कि मणिपुरी वातावरण के साथ उनका संगत हो। इसलिए पूरी सावधानी रखवाकर पुस्तकों को फिर से तैयार करवाकर प्रकाशित किया जा रहा है। लेखकों और परीक्षण-परिमापन करने वालों के साथ बैठकर काफी गहराई तथा विस्तुत रूप से विचार-विमर्श कर पुस्तकों की कमियों और त्रुटियों का परिमार्जन कराकर पुस्तक प्रकाशित की जा रही है।

इस पुस्तक के निर्माण में और छात्रों के द्वारा व्यवहार करवाने में जो समस्याएँ आईं उसका समाधान किया गया है । उसके बाद जो परिणाम सामने आए उन कसौटियों पर मैंने लेखकों और सम्बन्धित व्यक्तियों से परामर्श किया है। इस कार्य में लेखकों तथा सम्बन्धित सज्जनों ने जो सहयोग दिया है उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद देता हूँ ।

इस पुस्तक को और भी उत्कृष्ट बनाने के लिए जो भी सुझाव सुधीजनों की तरफ से आएंगे उनका सादर स्वागत किया जाएगा। अत: रचनात्मक सुझाव और परिमार्जन के लिए विद्वज्जन अपना सहयोग प्रदान करें ।

Sm. MWL> _car Wkong
Mg

गांधीजी का जंतर

तुम्हें एक जंतर देता हूँ। जब भी तुम्हें संदेह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आज़माओ:

जो सबसे गरीब और कमज़ोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शक्ल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुँचेगा? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा? यानी क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा, जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा संदेह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता रहा है।

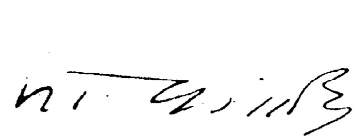

प्रस्तावना

शिक्षा का लक्ष्य स्वस्थ जीवन मूल्यों पर आधारित व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का निर्माण करना है। यह उद्देश्य मात्र नैतिक-चेतना का जागरण उत्पन्न करके प्राप्त नहीं किया जा सकता, बल्कि इसके लिए शिक्षार्थी की उसके भौतिक स्वास्थ्य के साथ ही समाजार्थिक और समाज-सांस्कृतिक चेतना से जोड़ना होगा। शिक्षा की सामग्री और अभ्यास-विधि का निर्माण करते समय यह ध्यान रखना होगा कि पाँचवीं कक्षा तक पहुँचते-पहुँचते शिक्षार्थी की शारीरिक-संरचना और मनोभूमि, विकास के कई स्तर पार कर चुकी होती है। विशेषकर वर्तमान युग में विज्ञान और तकनीकी द्वारा उसके भीतर एक नई दुनिया की पृष्ठभूमि तैयार हो चुकी होती है। दूसरी ओर भौतिक साधनों और सुविधाओं का विषम वितरण इसी नए समाज में सामान्य बौद्धिक विकास वाले बालकों का वर्ग भी खड़ा कर देता है। ये दोनों स्थितियाँ पाठ्य-सामग्री निर्माताओं के साथ ही अध्यापकों से भी असाधारण गंभीरता और सावधानी की अपेक्षा रखती हैं। हम सब के सामने गुणवत्ता को समानता से जोड़ते हुए सम्पूर्ण शिक्षण-व्यवस्था को नई आवश्यकता के अनुसार रूप प्रदान करने और उसे व्यावहारिक बनाने की चुनौती है। यह न्यूनतम अधिगम स्तर (एम. एल. एल.) को सभी शिक्षार्थियों द्वारा अर्जित करने की दिशा में ठोस क़दम उठाने की चुनौती भी है। द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी का अध्ययन करने वाले शिक्षार्थियों के सन्दर्भ में इसका महत्व और भी अधिक है। उन्हें पाँचवीं कक्षा में अध्ययन करने के दौरान अपरिचित व्यक्तियों के वार्तालाप को सुन कर समझ सकने, सामूहिक संवाद में सक्रिय भाग ले सकने, आसपास घटी घटनाओं का वर्णन कर पाने, शुद्ध उच्चारण और बलाघात के साथ गद्य-पद्य पढ़ने, सरल विषय पर वाक्य बनाने, बाल-पत्रिकाओं व सचित्र शब्द कोश का उपयोग करने के साथ ही साधारण विषयों पर अपना अभिमत प्रस्तुत कर सकने आदि की योग्यता प्राप्त कर लेनी चाहिए। यह अध्यापकों की सूझबूझ, जागरूकता और परिश्रम के बिना संभव नहीं है। शिक्षार्थियों को उनका नियमित सम्पर्क,, सहयोग तथा मार्ग-दर्शन उपलब्ध होना चाहिए। साथ ही उपलब्ध विषय-ज्ञान के आधार पर अर्जित योग्यता की नियमित परीक्षा भी आवश्यक है।

प्रस्तुत सामग्री इतिहास और स्वाधीनता संग्राम, संस्कृति, सामान्य जन-जीवन, भौगोलिक जानकारी, कला, खेल, स्वास्थ्य, प्रकृति से लगाव, पर्यावरण, विज्ञान, सामाजिक अध्ययन, नागरिकशास्त्र, लोक-सम्पदा, राष्ट्रीय भावात्मक एकता, आदि विभिन्न बिन्दुओं को ध्यान में रख कर निर्मित की गई है। स्थानीय संस्कृति, इतिहास, परम्पराओं, जीवन-शैली आदि पर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है। इससे शिक्षार्थी को अपने आसपास से लेकर विस्तृत संसार से जुड़ने में मदद मिलेगी। अध्यापकों को चाहिए कि वे इसमें छात्रों की पूरी सहायता करें।

इस स्तर पर शिक्षण का एक लक्ष्य शिक्षार्थी की चिन्तन-शक्ति का विकास भी होना चाहिए। प्रत्येक पाठ के बाद निर्मित अभ्यास में इसपर ध्यान दिया गया है। अध्यापक शिक्षण-क्रम में इसमें अपनी ओर से भी बहुत कुछ जोड़ सकते हैं। उन्हें शिक्षा के दृश्य-श्रव्य माध्यमों के प्रयोग पर भी ध्यान देना चाहिए। इससे सूचना-ग्रहण-क्षमता के साथ ही भाषा-प्रयोग की योग्यता के सहज विकास में सहायता मिलेगी।

सुधी अध्यापकों के सुझावों का स्वागत है।

— ***लेखक मण्डल***

[illegible]

[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]

सीखने के प्रतिफल

कक्षा पाँच **हिंदी**

बच्चे –

- देखी/सुनी/पढ़ी रचनाओं/घटनाओं (हास्य, साहसिक, सामाजिक आदि विषयों पर आधारित कहानी आदि) की विषय-वस्तु, घटनाओं, शीर्षक आदि के बारे में बातचीत करते हैं/अपनी स्वतंत्र टिप्पणी देते हैं/अपनी बात के लिए तर्क देते हैं/निष्कर्ष निकालते हैं।
- भाषा की बारीकियों पर ध्यान देते हुए अपनी भाषा गढ़ते हैं और उसका प्रयोग (मौखिक/लिखित) करते हैं।
- विविध प्रकार की सामग्री (अखबार, बाल साहित्य, पोस्टर आदि) में आए संवेदनशील बिंदुओं पर (मौखिक/ लिखित) अभिव्यक्ति करते हैं ।
- अपरिचित शब्दों के अर्थ शब्दकोश से खोजते हैं।
- स्वेच्छा से या शिक्षक द्वारा तय गतिविधि के अंतर्गत लेखन की प्रक्रिया की बेहतर समझ के साथ अपने लेखन को जाँचते हैं, उसमें बदलाव करते हैं,जैसे -किसी घटना की जानकारी देते हुए लिखना, स्कूल की भित्ति पत्रिका के लिए लिखना आदि।
- भाषा की व्याकरणिक इकाइयों, जैसे- कारक-चिह्न, क्रिया, काल, विलोम आदि) की पहचान करते हैं और उनके प्रति सचेत रहत हुए लिखते हैं।
- लिखते हुए अपने लेखन में विराम-चिह्नों, जैसे - पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्नवाचक चिह्न, उद्धरण चिह्न का सचेत इस्तेमाल करते हैं।
- स्तरानुसार अन्य विषयों, व्यवसायों, कलाओं आदि (जैसे- गणित, विज्ञान, नृत्यकला, आदि) में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली को समझते हैं और संदर्भ एवं स्थिति के अनुसार उनका लेखन में इस्तेमाल करते हैं।
- अपनी कल्पना से कहानी, कविता, पत्र आदि लिखते हैं।

पाठ-सूची

1. सवेरा .... 1 - 3
2. चैराओबा .... 4 - 7
3. रेडियो की कहानी .... 8 - 12
4. क्रिसमस .... 13 - 16
5. प्रातः भ्रमण .... 17 - 21
6. बाघ .... 22 - 28
7. शगोल-काङ्जै .... 29 - 33
8. बापू .... 34 - 36
9. माँ का बदला .... 37 - 42
10. मणिपुर का प्राकृतिक सौन्दर्य .... 43 - 47
11. फुटबॉल .... 48 - 53
12. पाओना ब्रजवासी .... 54 - 58
14. मणिपुरी रास .... 59 - 63
15. तीनों भाइयों की कहानी .... 64 - 69
16. ताजमहल .... 70 - 74
17. संक्रामक रोग .... 75 - 79
18. वायु-प्रदूषण .... 80 - 84
19. विष्णुपुर का विष्णु-मंदिर .... 85 - 89
20. अरुणाचल प्रदेश .... 90 - 93
21. चींटी .... 94 - 97
22. जगदीशचन्द्र वसु .... 98 - 102
23. हम सब मनुष्य हैं .... 103 - 107
24. नागरिकों के मूल कर्तव्य .... 108 - 108
25. राष्ट्रगान .... 109 - 109

पाठ – एक

सवेरा

चहचहाना, सवेरा, अंगड़ाई, किरण, घेरना, कली, मुस्कान, बिखेरना, शीतल, मन्द, पवन, मोती, लता, भरपूर, मजदूर, दिशा, उल्लास, नूतन, चाह, कर्म, राह।

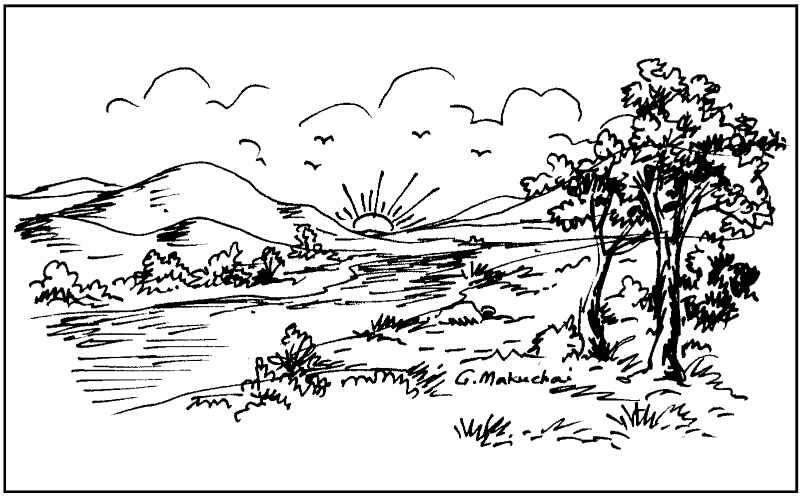

चिड़ियों ने चहचहा बताया —
जागो अब तुम हुआ सवेरा।
फूलों ने भी ली अंगड़ाई,
किरणों ने उनको आ घेरा।।

कलियों ने मुस्कान बिखेरी,
शीतल मन्द पवन बह आया।
दूर-दूर तक बिखरे मोती —
देख लता का मन हर्षाया।।

झीलों पर ग्रामीण युवतियाँ,
हंसतीं बतियातीं भरपूर।
नगरों में बाज़ार खुल गए,
चले काम पर सब मज़दूर।।

दिशा-दिशा उल्लास भरी है,
सब के मन में नूतन चाह।
कर्म मान कर पूजा, सबको –
तय करनी जीवन की राह।।

निर्देश —

अध्यापक इस कविता को छात्रों को याद कराएँ और सामूहिक गायन कराएँ।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

सवेरा	=	सुबह।
अंगड़ाई	=	जम्हाई के साथ अंग को तानना, देह का टूटना।
किरण	=	प्रकाश।
कली	=	न खिला हुआ फूल।
पवन	=	हवा।
शीतल	=	ठंडा।
मन्द	=	धीमा।
मजदूर	=	कुली, पैसा लेकर काम करने वाला आदमी।
उल्लास	=	आनन्द, हर्ष।
नूतन	=	नया।
चाह	=	इच्छा।
कर्म	=	कार्य, काम।
राह	=	रास्ता, पथ।

2. उत्तर लिखो :

क) चिड़िया कया संदेश देती है ?

ख) किसने अंगड़ाई ली ?

ग) सवेरा होने पर कलियाँ क्या करने लगती हैं?

घ) ग्रामीण युवातियाँ झीलों पर क्या करने लगती हैं ?

ड़) हमें अपने जीवन की राह किस तरह तय करनी चाहिए ?

च) सवेरा होने पर मन में क्या भर जाता है ?

छ) सबेरे उठकर हमें क्या करना चाहिए ?

ज) सबेरा होने पर नगरों में होने वाली हलचल के बारे में लिखो ।

3. **पूरा करो :**

------------------------ उल्लास भरी है,

सब के मन में --------------------- ।

कर्म मान कर ----------------------

-------------------------- जीवन की राह ।।

4. **सवेरे के बारे में चार वाक्य लिखो :**

पाठ – दो

चैराओबा

त्योहार, घोषणा, नियुक्ति, कर्त्तव्य, खेती, छूट, गृह-देवता, अर्पण, खाद्‌य पदार्थ, बँसवाड़ा, सदस्य, दायित्व, कार्यभार, आंशिक, परम्परा, उल्लास, प्रवेश-द्‌वार, मेल-मिलाप।

चैराओबा मणिपुर का एक त्योहार है। यह मीतै जाति के नव वर्ष का त्योहार है। चैराओबा शब्द का अर्थ है — ''लकड़ी पकड़ कर घोषणा करना।'' प्राचीन काल में यह घोषणा वर्ष के अन्तिम दिन की जाती थी।

प्रतिवर्ष राजा की ओर से एक विशेष दायित्व के लिए एक व्यक्ति की नियुक्ति की जाती है। उस व्यक्ति को 'चैथाबा' के नाम से जाना जाता है। वह व्यक्ति देश और राजा पर आने वाली आपत्तियों को अपने सिर ले लेता है। इसलिए वह वर्ष भर राजा के सामने नहीं आ सकता। इस विशेष कर्त्तव्य के लिए प्राचीन काल में राजा की ओर से उसे खेती की जमीन और अन्य अनेक सुविधाएँ दी जाती थीं। वर्ष के अन्तिम दिन पुराने चैथाबा से नया चैथाबा कार्यभार ग्रहण करता है। आंशिक रूप में यह परम्परा आज भी देखी जा सकती है।

मणिपुर में मीतै लोग 'चैराओबा' का त्योहार बहुत उल्लास के साथ मनाते हैं। उस दिन लोग नए वस्त्र पहनते हैं। घर-घर में गृह-देवता 'सनामही' की पूजा की जाती है। उसे अर्पित की गई नई सब्जियाँ पकाई जाती हैं। पकाए हुए चावल, सब्जी आदि खाद्‌य पदार्थ खाने के पहले घर के प्रवेश-द्‌वार के बाहर ग्राम-देवता और भूत-प्रेत को चढ़ाए जाते हैं। लोग अपने-अपने बाग के बँसवाड़े में भी पकाए हुए खाद्‌य पदार्थ चढ़ाते हैं। इसके बाद परिवार के सभी सदस्य सामूहिक भोजन करते हैं। कोई-

कोई पड़ोसियों को अपने घर पकी सब्जियाँ पहुँचाते हैं और नव वर्ष की खुशियाँ प्रकट करते हैं। खाना खाने के बाद लोग पास के किसी पर्वत पर चढ़ते हैं और शाम का समय वहाँ बिताते हैं।

चैराओबा मेल-मिलाप और खुशी का त्योहार है।

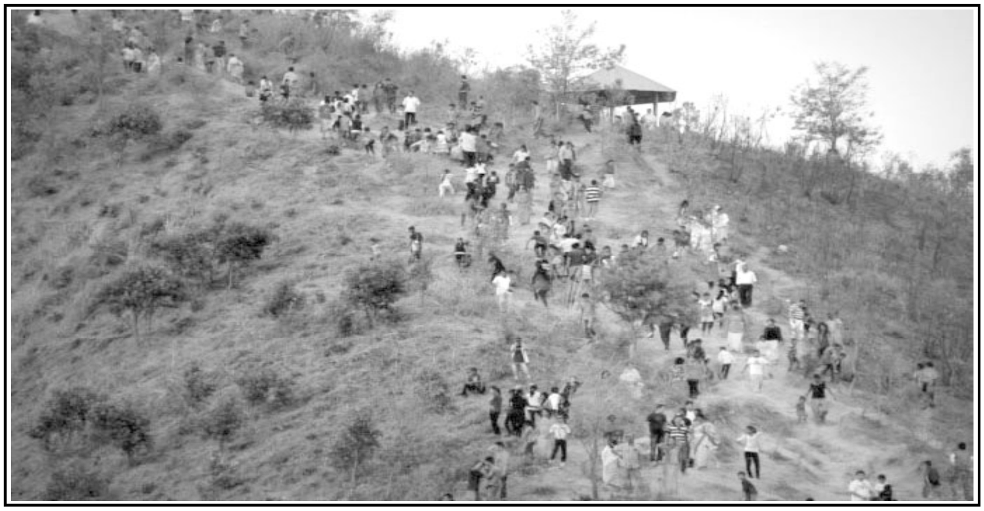

प्रश्न-अभ्यास

1. **निम्नलिखित शब्दों के अर्थों को समझो :—**

त्योहार	=	पर्व, धार्मिक अथवा जातीय उत्सव।
घोषणा	=	सूचना देना, ऊँची आवाज में सूचना देना।
नियुक्ति	=	किसी कार्य के लिए किसी को लगाना।
कर्त्तव्य	=	कार्य, करने योग्य।
खेती	=	कृषि-कार्य, खेत में अन्न बोने का काम।
छूट	=	मुक्ति, छुटकारा।
गृह देवता	=	घर का देवता, वंश या कुटुम्ब का देवता।
अर्पण	=	भेंट, देना, चढ़ाना।
खाद्य पदार्थ	=	खाने की वस्तु।

बँसवाड़ा	=	बाँस का बगीचा।
परिवार	=	कुटुम्ब, परिजन-समूह।
सदस्य	=	किसी परिवार, समाज, सभा का सभासद, मेम्बर।

2. उत्तर दो :—

(क) चैराओबा शब्द का क्या अर्थ है ?
(ख) चैराओबा किसका त्योहार है ?
(ग) प्राचीन काल में चैराओबा की घोषणा वर्ष के किस दिन की जाती थी ?
(घ) 'चैथाबा' किसको कहा जाता है ?
(ङ) चैराओबा का त्योहार कैसे मनाया जाता है ?
(च) चैराओबा के दिन लोग कैसे वस्त्र पहनते हैं ?
(छ) चैराओबा के दिन किसकी पूजा की जाती है ?
(ज) चैराओबा के दिन कैसी सब्जियाँ पकाई जाती हैं ?
(झ) चैराओबा के दिन पकाए हुए चावल, सब्जी आदि खाद्‌य पदार्थ किसको चढ़ाए जाते हैं ?
(ञ) चैराओबा में परिवार के सभी सदस्य कैसे खाते हैं ?
(ट) चैराओबा के दिन खाना खाने के बाद लोग क्या करते हैं ?
(ठ) नव वर्ष के दिन आप क्या -क्या करते हैं ?
(ड) भारत के अन्य राज्यों में मनाए जाने वाले नव-वर्ष के किन्हीं तीन त्योहारों के नाम लिखो ।
(ढ) मणिपुर में मनाए जाने वाले किसी एक त्योहार के बारे में चार वाक्य लिखो ।

3. वाक्य बनाओ :—

घोषणा---

कर्तव्य---

छूट---

अर्पण---

पदार्थ---

बँसवाड़ा --

सदस्य ---

4. **खाली जगह भरो :—**

(क) चैराओबा मीतै जाति के नव ------------------------------------।

(ख) घर-घर में गृह-देवता --------------------------------------- -।

(ग) उस दिन लोग ---।

(ध) परिवार के सभी सदस्य --------------------------------------।

(ङ) चैराओबा मेल-मिलाप --------------------------------------।

5. **कई शब्द समान अर्थ वाले होते हैं । उदाहरण के लिए :—**

ईश्वर - प्रभु, भगवान, परमेश्वर

H$_b-gamoO, nSH$O, nX²_

इसी तरह निम्नलिखित शब्दों के दो -दो समान अर्थ वाले शब्द लिखो :

दिन ——— ———

गृह ——— ———

देवता ——— ———

व्यक्ति ——— ———

पाठ – तीन

रेडियो की कहानी

विज्ञान, आश्चर्यजनक, वरदान, देन, आवश्यकता, रोचक, उपयोगी, यन्त्र, बिजली-संकेत, परिश्रम, फलस्वरूप, संदेश, सार्वजनिक, प्रदर्शन, अनौपचारिक, माध्यम, कार्यक्रम, प्रसारित, मनो-विनोद, द्‌वारा, संगीत, नाटक, परिचर्चा, पर्व, त्योहार, समाचार-पत्र, खबर, वास्तव, अनमोल, उद्‌घाटन, प्रारम्भ।

रेडियो विज्ञान का एक आश्चर्यजनक वरदान है। विज्ञान की यह देन मनुष्य जीवन के लिए उपयोगी चीज बन गई है। इस युग में हर घर में एक न एक रेडियो है। जीवन के हर क्षेत्र में रेडियो की आवश्यकता बहुत बढ़ गई है।

रेडियो की कहानी बहुत रोचक है। रेडियो एक ऐसा यंत्र है जिसमें एरियल आकाश से बिजली-संकेत चुन-चुनकर रेडियो यंत्र में भेजता है। रेडियो संकेत-ध्वनि बढ़ाने वाले यंत्र (लाउड स्पीकर) से ध्वनियाँ कई लोगों के कानों तक पहुँचाता है। इटली के वैज्ञानिक गोग्लिल्मो मारकोनी के अथक परिश्रम के फलस्वरूप सन 1896 में विश्व में पहली बार रेडियो-तरंग से संदेश भेजा जाना शुरू हुआ। रेडियो का पहला सार्वजनिक प्रदर्शन सन 1906 को अमेरिका के फेस्सेण्डेन ने किया।

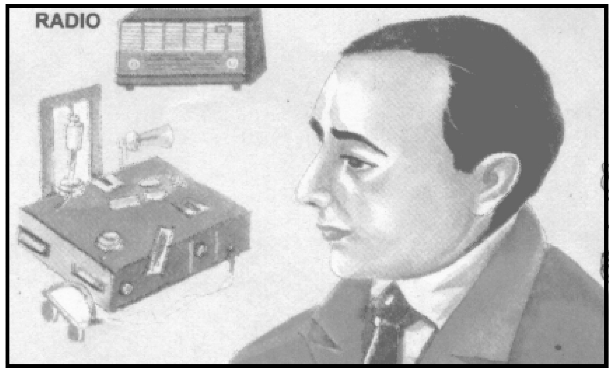

रेडियो शिक्षा का अनौपचारिक माध्यम है। यह लोगों को समाचारों तथा अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान देता है। यह बालकों और युवकों के लिए विशेष कार्यक्रम प्रसारित करता है। यह लोगों के मनो-विनोद का सबसे सस्ता और अच्छा साधन है। रेडियो द्वारा संगीत, गान, नाटक, परिचर्चा आदि प्रसारित होते हैं। हम दूर-दूर जगहों पर होने वाले खेलों, मनाये जाने वाले पर्वों-त्योहारों आदि का आँखों-देखा वर्णन रेडियो पर सुन सकते हैं। ऐसा लगता है कि रेडियो सारे संसार को हमारे घर में लाकर रख देता है।

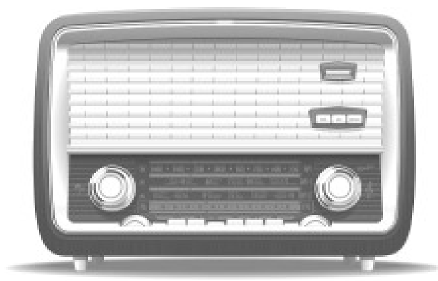

समाचार-पत्र से मिली खबरें ताजा नहीं होतीं। रेडियो से हम ताजा समाचार सुन सकते हैं। वास्तव में रेडियो अनमोल है।

हमारे मणिपुर राज्य की राजधानी इम्फाल में भी आकाशवाणी-केन्द्र है। इस केन्द्र का नाम 'आकाशवाणी इम्फाल' है। इस केन्द्र का उद्घाटन 15 अगस्त सन 1963 को हुआ था। तब से लेकर आज तक आकाशवाणी का इम्फाल केन्द्र लोगों की सेवा करता आ रहा है। आकाशवाणी इम्फाल से एफ.एम. चैनल का प्रसारण भी प्रारंभ हो चुका है।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

आश्चर्यजनक	—	विस्मय उत्पन्न करने वाला।
वरदान	—	किसी देवता या बड़े द्वारा प्रसन्न होकर दी गई सिद्धि या शक्ति।
देन	—	दी गई महत्वपूर्ण वस्तु।
क्षेत्र	—	स्थान, भूमि।
आवश्यकता	—	जरूरत।

रोचक	—	मनोरंजक।
बिजली-संकेत	—	बिजली का निशान, बिजली का चिह्न।
संकेत-ध्वनि	—	ध्वनि-चिह्न।
ध्वनि	—	आवाज।
अथक	—	न थकनेवाला।
संदेश	—	समाचार।
सार्वजनिक	—	सबसे संबंध रखनेवाला।
प्रदर्शन	—	दिखाना।
अनौपचारिक	—	जो चलते हुए क्रम या प्रथा में न हो।
माध्यम	—	साधन, द्वारा।
कार्यक्रम	—	कार्य किये जाने की सूची।
मनोविनोद	—	मनोरंजन।
सस्ता	—	कम मूल्य का।
परिचर्चा	—	किसी विषय पर विस्तृत रूप से की जाने वाली बातचीत।
प्रसारित होना	—	फैलना।
वास्तव में	—	यथार्य में, यथार्थ रूप में।
अनमोल	—	अमूल्य।
उद्घाटन	—	शुभारंभ (शुभ + आरंभ)।
प्रसारण	—	दूर-दूर तक फैलाना।
प्रारंभ होना	—	शुरू होना।

2. **उत्तर लिखो :—**

(क) किस क्षेत्र में रेडियो की आवश्यकता बढ़ गई है ?

(ख) रेडियो कैसा यंत्र है ?

(ग) रेडियो-तरंग से संदेश भेजना किसने और कब शुरू किया ?

(घ) मारकोनी कौन था ?

(ङ) रेडियो का सार्वजनिक प्रदर्शन कब और कहाँ हुआ ?

(च) रेडियो शिक्षा का कैसा माध्यम है ?

(छ) रेडियो मनोविनोद का कैसा साधन है ?

(ज) रेडियो पर क्या-क्या प्रसारित होते हैं ?

(झ) मणिपुर के आकाशवाणी-केन्द्र का नाम क्या है ?

(ञ) इसका उद्घाटन कब हुआ था ?

(ट) यह कब से लोगों की सेवा करता आ रहा है ?

(ठ) रेडियो और टेलीविजन में क्या अन्तर है ?

(ड) मणिपुर में कितने आकाशवाणी केन्द्र हैं ?

(ढ) रेडियो या टेलीविजन पर प्रसारित कायक्रमों में से अपने मन-पसन्द कायर्क्रम के बारे में पाँच वाक्य लिखो ।

3. **वाक्य बनाओ :—**

वरदान --

रोचक --

अथक --

संदेश --

कार्यक्रम --

सस्ता --

प्रसारित --

अनमोल --

उद्घाटन --

प्रारंभ --

4. **खाली जगह भरो :—**

(क) रेडियो की कहानी ··· ··· ··· ··· ··· ··· ··· ··· ····।

(ख) रेडियो द्वारा संगीत, गान, नाटक, परिचर्चा, आदि ··· ··· ··· ··· ···।

(ग) वास्तव में रेडियो ··· ··· ··· ·· ··· ··· ···· ···· ···।

(घ) इम्फाल के आकाशवाणी केन्द्र का नाम ·· ··· ·· ··· ··· ··· ··· ···।

(ङ) आकाशवाणी इम्फाल से ··· ··· ··· ··· ··· का प्रसारण भी प्रारंभ हो चुका है।

5. **सही कथन के आगे 'सही' और गलत कथन के आगे 'गलत' लिखो :—**

(क) रेडियो विज्ञान का एक आश्चर्यजनक अभिशाप है। ☐

(ख) जीवन के हर क्षेत्र में रेडियो की आवश्यकता बहुत बढ़ गई है। ☐

(ग) रेडियो लोगों के मनोविनोद का सबसे महंगा और अच्छा साधन है। ☐

(घ) समाचार - पत्र से मिली खबरें ताजा होती हैं। ☐

(ङ) मणिपुर राज्य के आकाशवाणी केन्द्र का नाम आकाशवाणी मणिपुर है। ☐

5. **निम्नांकित को ध्यान से पढ़ो और याद करो :—**

विभिन्न विभक्तियों के साथ 'बालक' शब्द के रूप

एकबचन	**बहुवचन**
बालक/बालक ने	बालक/बालकों ने
बालक को	बालकों को
बालक से	बालकों से
बालक के लिए	बालकों के लिए
बालक से	बालकों से
बालक का/के/की	बालकों का/के/की
बालक में, पर	बालकों में, पर
हे बालक !	हे बालको !

पाठ – चार

क्रिसमस

क्रिसमस, ईसाई, पवित्र, त्योहार, गोलार्ध, सर्दी, टापू, भौगोलिक, परिस्थिति, उपदेश, दुश्मन, आखरी, सन्देश, पर्व, धूमधाम, गिरजाघर, देवदारु, खिलौना, गुब्बारा, लटकाना, रोशनी, जगमगाहट, सम्बन्धी, बधाई-कार्ड।

क्रिसमस ईसाइयों का पवित्र त्योहार है। यह हर साल 25 दिसम्बर को मनाया जाता है। यह दिन पृथ्वी के उत्तरी गोलार्ध में सर्दी के महीने में पड़ता है और दक्षिणी गोलार्ध में स्थित टापू महादेश ऑस्ट्रेलिया में गर्मी में। इसका कारण भौगोलिक परिस्थितियों की भिन्नता है। इस दिन ईसा मसीह का जन्म हुआ था। उन्होंने संसार से प्रेम किया और उपदेश देते हुए कहा — ''तुम अपने पड़ोसी से प्रेम करो। अपने दुश्मन से भी प्रेम करो।'' उन्होंने मनुष्य को सभी प्राणियों से प्रेम करना सिखाया।

ईसा मसीह को उस समय के शासकों ने बहुत सताया और अन्त में क्रॉस पर चढ़ा दिया। लेकिन वे अपनी आखरी साँस तक सभी को प्रेम का संदेश देते रहे। क्रिसमस का पर्व उसी ईश्वर-पुत्र की याद में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।

क्रिसमस के लिए कई दिन पहले से ही तैयारियाँ की जाने लगती हैं। गिरजाघरों, घरों,

विद्यालयों और मुख्य स्थानों की सफाई की जाती है। फिर इन सभी को खूब सजाया जाता है। घर के सामने भी देवदारु का पेड़ लगाया जाता है। इस पेड़ को 'क्रिसमस ट्री' कहते हैं। उसपर चित्र, फूल, फल, तरह-तरह के खिलौने तथा गुब्बारे लटकाये जाते हैं। रात को रोशनी की जगमगाहट होती है।

वेटिकन सिटि में ईसाई धर्म के विश्व गुरु पोप विश्व भर में रहने वालों की सुख-शान्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। क्रिसमस के अवसर पर लोग अपने सम्बन्धियों तथा मित्रों को बधाई-कार्ड भेजते हैं। इस दिन को ईसाई लोग 'बड़ा दिन' भी कहते हैं। यह उनका सब से बड़ा पर्व है।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

पवित्र	=	शुद्ध, निर्मल।
त्योहार	=	धार्मिक उत्सव, पर्व।
गोलार्ध	=	पृथ्वी का आधा भाग।
परिस्थिति	=	अवस्था।
उपदेश	=	परामर्श, अच्छी बातों की शिक्षा देना।
दुश्मन	=	शत्रु।
सताना	=	परेशान करना, दुख देना, कष्ट पहुँचाना।
पर्व	=	उत्सव, त्योहार।

सजाना = शृंगार करना, वस्तुओं को व्यवस्थित रूप से रखना।

गुब्बारे = कागज, रबर आदि की बनी हुई वह गोल या लम्बी थैली जो वायु या किसी प्रकार की गैस भरकर उड़ाई जाती है।

अवसर = समय विशेष, मौका।

2. **उत्तर दो :—**

(क) क्रिसमस क्या है ?

(ख) क्रिसमस कब मनाया जाता है ?

(ग) क्रिसमस उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध में अलग अलग ऋतुओं में क्यों आता है ?

(घ) ईसा मसीह का जन्म कब हुआ था ?

(ङ) ईसा मसीह ने क्या उपदेश दिया ?

(च) क्रिसमस किसलिए मनाया जाता है ?

(छ) क्रिसमस के लिए कई दिन पहले क्या करते हैं ?

(ज) घर के सामने कौन-सा पेड़ लगाया जाता है ?

(झ) उस पेड़ को क्या कहते हैं ?

(ञ) उस पेड़ को किस तरह सजाया जाता है ?

(ट) ईसाई धर्म के विश्व गुरु पोप हर साल कैसी प्रार्थना करते हैं ?

(ठ) क्रिसमस के अवसर पर लोग क्या करते हैं ?

(ड) हिन्दुओं के किन्हीं तीन धार्मिक त्योहारों के नाम लिखो ।

(ढ) ईद के बारे में चार वाक्य लिखो ।

3. **वाक्य बनाओ :—**

त्योहार---

उपदेश---

सताना ---

सजाना ---

अवसर ---

दुश्मन ---

4. **तालिका को देखो, पढ़ो ओर उचित वाक्य बनाओः—**

क्रिसमस	हर साल 25 दिसम्बर को ईश्वरपुत्र की याद में बड़ी धूमधाम से ईसाइयों का सब से बड़ा पृथ्वी के उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध में अलग-अलग ऋतुओं में	पर्व है । मनाया जाता है।

5. **खाली जगह भरो :—**

(क) ईसा मसीह ने ··· ··· ··· से ··· ··· ··· किया।

(ख) उन्होंने ··· ··· ··· को सभी ··· ··· ··· से ··· ··· ··· करना सिखाया।

(ग) ईसा मसीह को ··· ··· ··· के ··· ··· ··· ने बहुत ··· ······ ··· ··· ।

(घ) क्रिसमस ··· ··· ··· कई ··· ··· ··· से ही ··· ··· ··· की जाने लगती हैं ।

(ङ) ईसाई लोग ··· ··· ··· ··· ··· ··· ··· भी कहते हैं।

6. **पढ़ो, समझो और याद करो :—**

विभिन्न विभक्तियों के साथ ''मैं'' के रूप

मैं + ने = मैंने

मैं + को = मुझको, मुझे

मैं + से = मुझसे,

मैं + के लिए = मेरे लिए

मैं + का/के/की = मेरा/मेरे/मेरी

मैं + में = मुझमें

मैं + पर = मुझपर

पाठ – पाँच

प्रात:भ्रमण

इचभदचयक, कदम, भ्रमण, ऋ्थगन्ध, ऊृजद्ध, कइअऊ चत्र्ह्न, तचजच, अक्त, फेफड़च, अचयथ, मक्त्ऊ टक्ह्नच, जबदृतअ, दचर्एजनक, अचदत ऋ्धयर्चेदय, अचजमक्ह्, अचदेए।

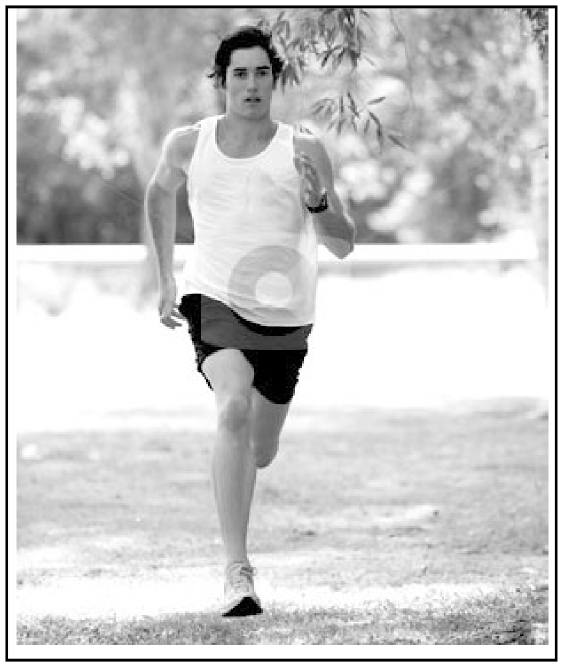

प्रात:भ्रमण स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है। सूर्य निकलने के पहले सबेरे उठकर सौ-दो सौ कदम चलना ही प्रात:भ्रमण है। इसके लिए बड़े सवेरे उठकर, हाथ मुँह धोकर और साफ कपड़े पहनकर बाहर घूमना चाहिए। दिन भर में सुबह का समय सब से अच्छा और उपयोगी माना जाता है। सुबह के समय शुद्ध, कोमल और ठण्डी हवा बहती है।

प्रात:भ्रमण करते समय फूलों की मधुर सुगन्ध मिलती है। सुबह की हवा में साँस लेने से शरीर की वृद्धि होती है। भ्रमण करते समय पक्षियों का मधुर कलरव सुनाई देता है। इससे भ्रमण करने वालों का मन प्रसन्न होता है।

प्रात:भ्रमण करने से शरीर का रक्त साफ रहता है। इससे शरीर में शक्ति आती है। ताजी हवा में साँस लेने से फेफड़े साफ रहते हैं। इससे मनुष्य लम्बी आयु प्राप्त कर बहुत समय तक जीता है।

संसार के बड़े-बड़े लोग प्रात:भ्रमण का महत्व जानते थे। फ्रान क्लीन महान प्रात: उठकर थोड़ा-सा टहल कर कार्य करना उचित समझते थे। वे अच्छी तरह जानते थे कि देर तक बिस्तर पर

लेटने वालों के शरीर तथा मन दोनों पर खराब प्रभाव पड़ता है। यूनान के दार्शनिक अरस्तु ने कहा था — 'हर आदमी को बुद्धिमान, स्वस्थ तथा धनवान बनने के लिए सूर्योदय के पहले उठकर प्रातःभ्रमण की आदत डालनी चाहिए।' प्रूशिया के सम्राट फ्रेड्रिक द्वितीय रोज चार बजे सुबह उठकर अपने राजमहल में ही टहलते थे। उन्होंने अपने सेवकों को उसी समय जगाने का आदेश दिया था। वे जानते थे कि प्रातःभ्रमण हर-दृष्टि से अच्छा है।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

स्वास्थ्य	=	आरोग्य, नीरोग होना।
लाभदायक	=	फायदेमंद।
उपयोगी	=	लाभकारी, काम में आने लायक।
वृद्धि	=	बढ़ना, अधिकता।
कलरव	=	पक्षियों के बोलने की ध्वनि।
प्रसन्न	=	आनन्दित, खुश।
सूर्योदय	=	सूर्य का निकलना।
दृष्टि	=	नजर, अवलोकन करने की शक्ति।
कदम	=	पग, पाँव, चाल में दोनों पैरों के बीच का फासला।

2. **उत्तर दो :—**

(क) प्रातःभ्रमण क्या है ?

(ख) प्रातःभ्रमण के लिए क्या करना चाहिए ?

(ग) इससे क्या लाभ होते हैं ?

(घ) फ्रान क्लीन क्या जानते थे ?

(ङ) यूनान के दार्शनिक अरस्तु का प्रातःभ्रमण के बारे में क्या विचार था ?

(च) प्रूशिया के सम्राट ने अपने सेवकों को क्या आदेश दिया था ?

(छ) इस पाठ से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है ?

(ज) सुबह घूमना तुम्हें कैसा लगता है ? चार वाक्य लिखो ।

3. **वाक्य बनाओ :—**

लाभदायक --

कदम --

सुगन्ध --

वृद्धि --

कलरव --

रक्त --

महत्व --

सूर्योदय --

आदेश। --

4. **खाली जगह भरो :—**

(क) दिन भर में ·················· सब से अच्छा और ······················· माना जाता है।

(ख) सुबह के समय ·· और ठण्डी हवा बहती है।

(ग) प्रातःभ्रमण करते समय ·· सुगन्ध मिलती है।

(घ) सुबह की हवा में ························ शरीर की ··························· होती है।

(ङ) प्रातःभ्रमण करने से ·· साफ रहता है।

5. प्रात : भ्रमण से क्या - क्या लाभ होते हैं ?

----

6. **तालिका को ध्यान से पढ़ो, तथा खण्ड 'क' और 'ख' के वाक्याँशों को सही ढंग से जोड़कर लिखो :—**

'क'	**'ख'**
(अ) भ्रमण करते समय पक्षियों का	**(अ)** महत्व जानते थे।
(आ) इससे मनुष्य लम्बी आयु प्राप्त कर	**(आ)** देर तक बिस्तर पर लेटने वालों के शरीर पर खराब प्रभाव पड़ता है।
(इ) संसार के बड़े-बड़े लोग प्रातःभ्रमण का	**(इ)** प्रातःभ्रमण हर दृष्टि से अच्छा है।
(ई) वे अच्छी तरह जानते थे कि	**(ई)** मधुर करलव सुनाई देता है।
(उ) वे जानते थे कि	**(उ)** बहुत समय तक जीता है।

(अ) ---

(आ) ---

(इ) ---

(ई) ---

(उ) ---

7. **पढ़ो, समझो और लिखो :—**

तू + ने	=	तूने
तू + को	=	तूझको, **तुझे**
तू+से	=	तुझसे

तू + के लिए	=	तेरे लिए
तू + का/के/की	=	तेरा/तेरे/तेरी
तू + में	=	तुझमें
तू+पर	=	तुझपर

8. **पढ़ो, समझो और लिखो :—**

धातु	**क्रिया**	**धातु**	**क्रिया**
चल	चलना	रह	रहना
जा	....	ले	....
घूम	....	जान	....

पाठ – छह

बाघ

ध्वज, शेर, चिड़ियाघर, खूँखार, चमकीली, पंजा, माँस, पूँछ, प्रसिद्ध, मशहूर, पट्टी, ज्यादातर, क्रूर, ताकतवर, भूख, हमला, तमाशा, जाल, पालतू, चमड़ा, आसन, जानकारी।

अध्यापक — छात्रो ! तुम लोग हमारे राष्ट्र-गान, राष्ट्रीय ध्वज तथा राष्ट्रीय पक्षी के बारे में जानते होंगे।

छात्रगण — जी हाँ, मास्टर जी !

अध्यापक — हमारे देश भारत का एक राष्ट्रीय पशु भी है। तुम लोगों में से कौन उस पशु का नाम बता सकता है ?

छात्रगण — जी, शेर हमारा राष्ट्रीय पशु है।

अध्यापक — शेर नहीं, बाघ है। अच्छा, बाघ के बारे में तुम लोगों ने सुना होगा। तुम लोगों ने चिड़िया-घर में या टेलीविजन पर बाघ देखा भी होगा। आज हम बाघ के बारे में बातचीत करेंगे।

छात्रगण — जी, अच्छा।

अध्यापक — बाघ एक खूँखार जंगली पशु है। इसका मुख गोल, शरीर लंबा और आँखें बड़ी होती हैं। बाघ के कान अधिक बड़े नहीं होते। उसकी आँखें बहुत चमकीली होती हैं। इसके दाँत और पंजे बहुत तेज होते हैं। पंजों के नीचे का माँस बहुत नरम होता है। बाघ नाक से पूँछ तक दस से बारह फीट लंबा होता है। वह तीन से चार फीट तक ऊँचा होता है।

छात्र - १ — गुरुजी, बाघ कहाँ-कहाँ पाया जाता है ?

अध्यापक — बाघ दक्षिण एशिया के देशों में पाया जाता है। हमारा देश भारत भी बाघों के लिए प्रसिद्ध है। भारत में मणिपुर, असम, बंगाल आदि राज्यों के जंगलों में बाघ

पाया जाता है। बंगाल का बाघ सारे संसार में बहुत मशहूर है। यह बड़े आकार का सुन्दर पशु है। उसके पीले शरीर पर काली पट्टियाँ होती हैं। यह ज्यादातर बंगाल के सुन्दरवन में रहता है।

छात्र - २ — गुरुजी, सुना है कि बाघ बहुत क्रूर होता है और ताकतवर भी।

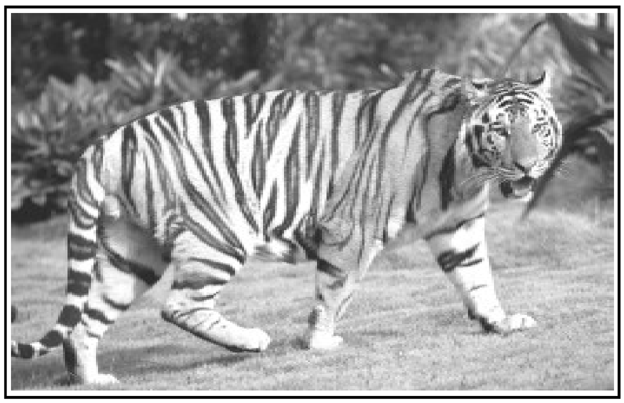

अध्यापक — सही है। बाघ बहुत क्रूर होता है। भूख न होने पर भी वह पशुओं को मार डालता है। वह खून पीना बहुत पसन्द करता है। वह गायों, बकरों, भेड़ों, भैंसों आदि को मारकर खून पीता है और माँस खाता है। वह आदमी पर भी हमला करता है और मारता है। वह बहुत शक्तिशाली होता है। वह एक गाय अथवा बैल को आसानी से उठा कर ले जा सकता है।

छात्र - ३ — गुरुजी, सर्कस में हमने बाघ को तमाशा दिखाने में प्रयोग करते हुए देखा है।

अध्यापक — हाँ, यह बहुत आश्चर्य की बात है। इतने खूँखार और क्रूर पशु को मनुष्य पकड़ कर काम में लाता है। मनुष्य उसको जाल से पकड़ता है। उसको पालतू बनाता है। उसके बारे में एक बात और है। साधु-मुनि उसके चमड़े को आसन के रूप में प्रयोग करते हैं। छात्रो, यह है, बाघ के बारे में थोड़ी-सी जानकारी। तुम लोग समझ गए होंगे।

छात्रगण — जी हाँ, गुरुजी। समझ गए।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

चिड़ियाघर	=	पशु पक्षियों के रखने का स्थान।
खूँखार	=	हिंसक।
चमकीली	=	प्रकाशमान।
पंजा	=	पशु पक्षियों का नख, चंगुल।
मशहूर	=	प्रसिद्ध।
आकार	=	रूप।
पीला	=	एक रंग जो सुनहरा-सा है।
ज्यादातर	=	अधिकतर।
क्रूर	=	दयाहीन, कठोर।
ताकतवर	=	शक्तिशाली।
भूख	=	भोजन की इच्छा।
खून	=	रक्त, लहू।
पसन्द करना	=	रुचि करना, चाहना।
माँस	=	प्राणियों के शरीर का नरम अंश।
हमला करना	=	आक्रमण करना।
तमाशा	=	हँसी उड़ाना, मनोरंजक दृश्य, खेल।
जाल	=	सूत, सन आदि की जालीदार बुनी हुई चीज।
पालतू	=	पाला गया।
चमड़ा	=	खाल, चर्म।
आसन	=	वह वस्तु जिसे बिछा कर बैठा जाता है।
जानकारी	=	ज्ञान।

2. **उत्तर लिखो :—**

(क) भारत का राष्ट्रीय पशु कौन है ?

(ख) बाघ कैसा जानवर है ?

(ग) इसकी आँखें कैसी होती हैं ?

(घ) इसकी लंबाई कितनी होती है ?

(ङ) यह कितना ऊँचा होता है ?

(च) भारत में बाघ कहाँ-कहाँ पाया जाता है ?

(छ) बंगाल का बाघ कैसा पशु है ?

(ज) बंगाल का बाघ कहाँ पाया जाता है ?

(झ) बाघ क्या पसन्द करता है ?

(ञ) यह कितना शक्तिशाली होता है ?

(ट) इसके बारे में आश्चर्य की क्या बात है ?

(ठ) इसका चमड़ा कौन किस काम में प्रयोग करता है ?

(ड) किस पशु को जंगल का राजा कहा जाता है ?

(ढ) पाँच जंगली जानवरों के नाम लिखो ।

3. **वाक्य बनाओ :—**

चिड़ियाघर --

खूँखार --

मशहूर --

भूख --

पसन्द --

माँस --

हमला --

जाल --

पालतू --

आसन --

4. **तालिका को देखो और वाक्य बनाओ :—**

बाघ	का के की	मुख गोल शरीर लम्बा आँखें बड़ी कान अधिक बड़े नहीं दाँत और पंजे बहुत तेज आँखें बहुत चमकीली	होता होते होती	है। हैं।

----

5. **वाक्य पूरे करो :—**

(क) बाघ नाक से पूँछ तक ………………………………………… ।

(ख) बाघ दक्षिण एशिया के ………………………………………… ।

(ग) बंगाल का बाघ बड़े आकार का ………………………………………… ।

(घ) बाघ खून पीना ………………………………………… ।

(ङ) साधु-मुनि बाघ के चमड़े को ………………………………………… ।

6. **बाघ के बारे में सात वाक्य लिखो :-**

----

7. **ध्यान से पढ़ो, समझो और याद करो :—**

पुँल्लिंग	**—**	**स्त्रीलिंग**	**एकवचन**		**वहुवचन**
बाघ	—	बाघिन	आँख	—	आँखें
बैल	—	गाय	पट्टी	—	पट्टियाँ
बकरा	—	बकरी	गाय	—	गायें
भेड़ा	—	भेड़	बकरा	—	बकरे
भैंसा	—	भैंस			

8. **पढ़ो और समझो :—**

विपरीतार्थक शब्द —

लंबा	—	छोटा
नरम	—	कठोर
ऊँचा	—	नीचा
साधु	—	असाधु
पालतू	—	जंगली

कुछ अन्य शब्द —

अपना	—	पराया
आशा	—	निराशा
अर्थ	—	अनर्थ
आदि	—	अनादि
कायर	—	वीर

8. विपरीतार्थक शब्द लिखो:

कठोर ---

जंगली --

लम्बा --

पराया ---

कायर ---

निराशा ---

पाठ – सात

शगोल-काङ्जै

प्राचीन, आधुनिक, उत्पत्ति, उद्गम-स्थान, अंतर्राष्ट्रीय, प्रत्येक, खिलाड़ी, गेंद, खंभा, सीमा-रेखा, छड़ी, संक्षेप, हत्था, बेंत, सिरा, हिस्सा, जड़, हल्की, घुटना, धोती, पगड़ी, पतला, पट्टीनुमा, चिबुक, बाँधना, पीठ, कसना, जीन, घुड़सवार, आवश्यक।

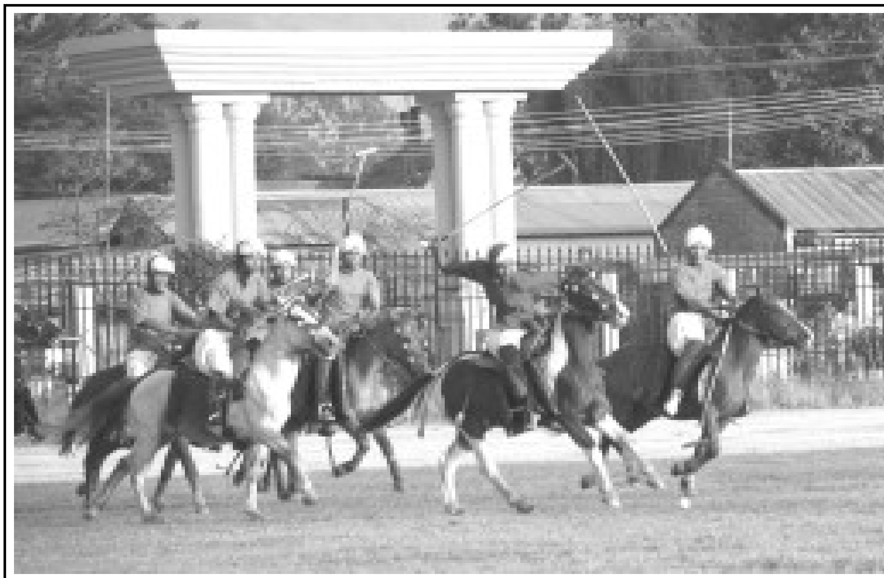

शगोल-काङ्जै मणिपुर का एक प्राचीन खेल है। ''शगोल-काङ्जै'' से ही आधुनिक खेल पोलो की उत्पत्ति हुई। इस खेल का उद्गम-स्थान मणिपुर है। अब यह अंतर्राष्ट्रीय खेल बन गया है।

शगोल-काङ्जै दो दलों के बीच खेला जाता है। प्रत्येक दल में सात-सात खिलाड़ी होते हैं। खिलाड़ी अपने-अपने घोड़े पर बैठकर गेंद से खेलते हैं। यह खेल खुले मैदान में खेला जाता

है। इस खेल के लिए गोल का खंभा नहीं होता, सीमा-रेखा ही गोल-रेखा होती है। दोनों ओर के खिलाड़ी किसी भी गोल-रेखा में गेंद को ले जा सकते हैं। गेंद द्वारा सीमा-रेखा पार करने पर गोल माना जाता है।

प्रत्येक खिलाड़ी के हाथ में एक छड़ी होती है। इसे काङ्जै-काङ्हु कहते हैं। संक्षेप में इसे काङ्जै भी कहते हैं। काङजै का हत्था बेंत का होता है। गेंद मारने के सिरे का हिस्सा लकड़ी का होता है। शगोल-काङ्जै खेल में प्रयुक्त गेंद को मणिपुरी में 'काङ्द्रूम' कहा जाता है। यह बांस की सूखी जड़ से बनी होती है और हल्की होती है।

प्रत्येक खिलाड़ी घुटने के ऊपर तक धोती पहनता है। सिर पर बड़ी पगड़ी बाँधी जाती है। इसके ऊपर एक पतला पट्टीनुमा कपड़ा चिबुक तक बाँधा जाता है। इस खेल के लिए विशेष रूप से तैयार की गई जीन घोड़े की पीठ पर कसी जाती है। शगोल काङ्जै के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को एक अच्छा घुड़सवार होना आवश्यक है।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

प्राचीन	=	पुराना।
आधुनिक	=	नए जमाने का, नवीनतम।
उत्पत्ति	=	जन्म, उद्गम।
उद्गम स्थान	=	जन्म स्थान, मूल स्रोत।
अंतर्राष्ट्रीय	=	दो या दो से अधिक देशों से सम्बन्धित।
खिलाड़ी	=	खेलनेवाला व्यक्ति।
गेंद	=	एक गोला जो खेल में प्रयोग किया जाता है (बॉल)।
मैदान	=	चौड़ी और सपाट जमीन।
खंभा	=	स्तंभ।
सीमा रेखा	=	किनारे की पंक्ति।
छड़ी	=	बाँस आदि का पतला एवं छोटा डंडा।
हत्था	=	मूठ; चाकू या छड़ी आदि पर हाथ से पकड़ने का भाग।
सिरे का हिस्सा	=	किनारे का अन्तिम भाग, अगला भाग।

जड़	=	पेड़-पौधों आदि का वह मूल भाग जो जमीन के अन्दर रहता है, मूल।
हल्की	=	कम भार वाली।
घुटना	=	जाँघ और टाँग के बीच का जोड़।
पगड़ी	=	सिर पर बाँधा जाने वाला साफा।
पतला	=	तरल, महीन।
चिबुक	=	ठोड़ी।
जीन	=	घोड़े या ऊँट की पीठ पर कसा जाने वाला बैठने का आसन।
कसना	=	खींचकर बाँधना।
घुड़सवार	=	घोड़े पर सवार होने वाला।

2. **उत्तर दो :—**

(क) शगोल काङजै मणिपुर का कैसा खेल है ?

(ख) इससे किस खेल की उत्पत्ति हुई है ?

(ग) इस खेल का उद्‌गम स्थान कहाँ है ?

(घ) इस खेल में कितने खिलाड़ी होते हैं ?

(ङ) यह खेल कैसे खेला जाता है ?

(च) इस खेल में गोल कब माना जाता है ?

(छ) खिलाड़ी हाथ में क्या पकड़ता है ?

(ज) काङ्जै का हत्था किस चीज का बना होता है ?

(झ) काङ्जै के सिरे के लकड़ी के हिस्से को क्या कहा जाता है ?

(ञ) इस खेल की गेंद को मणिपुरी में क्या कहा जाता है ?

(ट) शगोल काङ्जै की गेंद किससे बनी होती है ?

(ठ) खिलाड़ी क्या पहनता है ?

(ड) प्रत्येक खिलाड़ी को क्या होना आवश्यक है ?

(ढ) मणिपुर में प्रचलित कुछ प्राचीन खेलों के नाम लिखो ।

(ण) मणिपुर के किसी प्राचीन खेल के बारे में चार वाक्य लिखो ।

3. **वाक्य बनाओ :—**

प्राचीन --

खिलाड़ी --

मैदान --

बेंत --

जड़ --

पगड़ी--

पतला --

जीन --

घुड़सवार --

4. **याद रखो :—**

(क) शगोल-काङ्जै का उद्गम-स्थान मणिपुर है।

(ख) अब यह अन्तर्राष्ट्रीय खेल बन गया है।

(ग) शगोल-काङ्जै के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को एक अच्छा घुड़सवार होना आवश्यक है।

5. **खाली जगह भरो :—**

(क) शगोल-काङ्जै मणिपुर का .... ।

(ख) अब शगोल-काङ्जै अन्तर्राष्ट्रीय ....।

(ग) प्रत्येक खिलाड़ी के हाथ में .... ।

(घ) काङ्जै का हत्था .... ।

(ङ) प्रत्येक खिलाड़ी को एक अच्छा .... ।

6. **तालिका को देखो, पढ़ो और वाक्य बनाओ :—**

शगोल-काङ्जै	मणिपुर का एक प्राचीन खेल का उद्गम-स्थान मणिपुर दो दलों के बीच खेला खुले मैदान में खेला	जाता	है।

----

7. **शगोल-काङ्जै के बारे में पाँच वाक्य लिखो :-**

----

8. **ध्यान से पढ़ो, समझो और याद करो :**

एक ही वाक्य में विशेष अर्थ लाने के लिए कभी-कभी क्रिया के साथ एक से अधिक धातुओं का प्रयोग होता है, इसे संयुक्त क्रिया कहते हैं।

इस पाठ में भी कुछ ऐसी संयुक्त क्रियाएँ हैं, जैसे :—

बन जाना, माना जाना ।

इसी तरह छः अन्य संयुक्त क्रियाएँ लिखो :

पाठ – आठ

बापू

शृंगार, मानव, नव, आधार, सत्य, अहिंसा, द्वार, स्वतंत्रता, आराधक, विश्वास, आस्था, साधक, दुखी, दीन, दयनीय, दशा, आदर्श, चौराह ।।

जब से तुमने छोड़ा संसार
खोया इस जीवन का शृंगार।
तुम हो मानव के नव आधार
सत्य अहिंसा के नए द्वार।।

हे स्वतंत्रता के आराधक
विश्वास आस्था के साधक
दुखियों के लिए लौट आओ
दीनों की दयनीय दशा देखो।।

तुम्हारे आदर्शों के हाथ
चौराहों पर कटते दिन - रात।
जब से तुमने छोड़ा संसार
खोया इस जीवन का शृंगार।।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थोंको समझो :—**

शृंगार	=	किसी वस्तु का सजाव, सौन्दर्य बढ़ाने का बनाव-सजाव।
मानव	=	मनुष्य।
नव	=	नया।
आधार	=	सहारा, आश्रय।
सत्य	=	सच्चा।
अहिंसा	=	किसी प्राणी को न मारना, किसी को पीड़ा न देना।
द्वार	=	दरवाजा।
स्वतंत्रता	=	स्वाधीनता, आजादी।
आराधक	=	उपासना करने वाला, पूजा करने वाला।
विश्वास	=	भरोसा।
आस्था	=	भावना पर आधारित विश्वास।
साधक	=	योगी, तपस्वी।
दुखी	=	पीड़ित।
दीन	=	दरिद्र।
दयनीय	=	दया करने योग्य स्थिति।
दशा	=	अवस्था।
आदर्श	=	अनुकरणीय।
चौराहा	=	चार रास्तों का संगम-स्थल, चौक।

2. **उत्तर दो :—**

(क) हमारे जीवन का शृंगार कब खो गया ?
(ख) सत्य और अहिंसा के नव द्वार किसको कहा गया है ?
(ग) विश्वास और आस्था का साधक कौन है ?
(घ) किसके आदर्शों के हाथ चौराहों पर कटते हैं ?
(ङ) गाँधी जी का पूरा नाम क्या है ?
(च) महात्मा गाँधी को राष्ट्रपिता क्यों कहा जाता है ?
(छ) एक कागज पर गाँधी जी का चित्र चिपकाकर उनके बारे में पाँच वाक्य लिखो।

3. वाक्य बनाओ

मानव --

आधार --

आराधक --

दयनीय --

विश्वास --

सत्य --

चौराहा --

आस्था --

4. पंक्तियाँ पूरी करो :—

हे स्वतन्त्रता के .... ।

.... के साधक।

....

दीनों की दयनीय ....॥

पाठ – नौ

माँ का बदला

कुतिया, पिल्ला, हिरण, गुस्सा, सींग, बदला, अचानक, भौंकना, क्रोध, रास्ता, झाड़ी, हलचल, सहायता, जंगल, ध्यान, अन्धेरा, चोर, रखवाली, नुकीला, हत्या, आवाज, झाड़ी, सहायता।

बहुत पुरानी बात है। एक कुतिया थी। उसके दो पिल्ले थे। एक दिन कुतिया ने हिरण के एक छोटे बच्चे को देखा। वह उसे मारकर अपने बच्चों को खिलाना चाहती थी। इसलिए उसने हिरण के छोटे बच्चे का पीछा किया। हिरणी ने कुतिया को अपने बच्चे का पीछा करते हुए देखा। उसको बहुत गुस्सा आया। हिरणी ने अपने नुकीले सींगों से कुतिया को मार डाला।

अपनी माँ की हत्या से पिल्लों को बहुत दुख हुआ। उन्होंने हिरणी से बदला लेने के लिए सोचा। वे एक हाथी के पास गए। हाथी ने पिल्लों की बात मान ली। वह उन्हें साथ लेकर हिरणी को खोजने निकल पड़ा। अचानक रास्ते में चिड़ियों की आवाज सुनाई पड़ी। पिल्ले उस आवाज पर भौंकने लगे। यह देखकर हाथी को क्रोध आ गया।

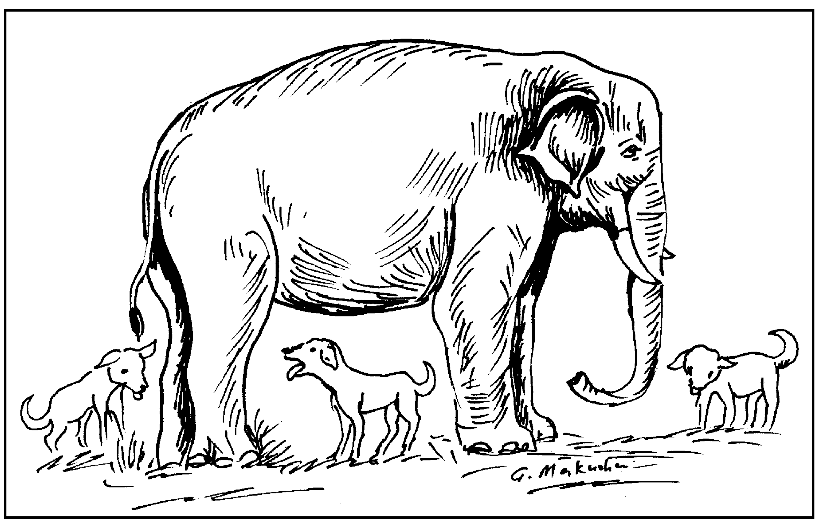

हाथी ने कहा, ''मैं तुम्हारा काम नहीं करूँगा।''

पिल्ले ''क्यों ?''

हाथी, ''बाघ ने तुम्हारी आवाज सुनी होगी। वह मुझे मारने के लिए आएगा।''

ऐसा कहकर हाथी उन्हें छोड़कर चला गया। फिर पिल्ले बाघ के पास गए। उसने भी पिल्लों की बात मान ली। रास्ते में पिल्लों ने एक झाड़ी देखी। उसमें कुछ हलचल हो रही थी। वे फिर उसके ऊपर भौंकने लगे। पिल्लों की हरकत देखकर बाघ को भी गुस्सा आ गया। उसने पिल्लों से कहा, ''मैं तुम्हारी सहायता नहीं करूँगा।''

''क्यों ?'' पिल्लों ने पूछा।

''बाघ ने उत्तर दिया'', मनुष्य ने तुम्हारी आवाज जरूर सुन ली होगी। वह मुझे मारने के लिए आएगा।

ऐसा कहकर बाघ जंगल में भाग गया। अन्त में पिल्ले मनुष्य के पास गए। मनुष्य ने पिल्लों की बात ध्यान से सुनी। उसने पिल्लों को कुछ दिन अपने घर रहने के लिए कहा। पिल्लों ने मनुष्य की बात मान ली। रात के समय पिल्लों ने कुछ चोरों की आवाज सुनी। वे ज़ोर-ज़ोर से भौंकने लगे। उनकी आवाज सुनकर मनुष्य घर से बाहर निकल आया। यह देख कर रात के अन्धेरे में छिपे चोर भाग गए।

मनुष्य पिल्लों से बोला, ''मैं तुम्हारा काम जरूर करूँगा।''

पिल्ले, ''अच्छा ! क्यों ?''

मनुष्य, ''तुम लोगों ने मेरे घर की रखवाली की है। इसलिए मैं तुम लोगों से खुश हूँ।''

मनुष्य की बात सुनकर पिल्ले बहुत खुश हुए। एक दिन मनुष्य पिल्लों के साथ जंगल में गया। रास्ते में उन्हें वह हिरणी दिखाई दी। मनुष्य ने हिरणी को मार डाला। उसी दिन से कुत्ते मनुष्य के साथ रहने लगे।

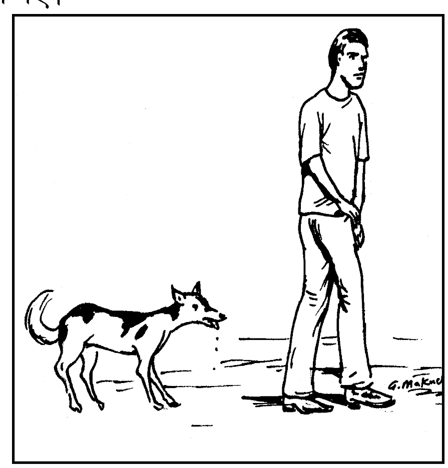

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

कुतिया	=	कुत्ते की मादा।
पिल्ला	=	कुत्ते का छोटा बच्चा।
गुस्सा	=	क्रोध, कोप, नाराज।
सींग	=	कुछ पशुओं के सिर पर दोनों ओर शाखा के समान निकले हुए नुकीले अंग।
बदला	=	पलटा, प्रतिशोध, विनिमय, परस्पर लेन-देन।
अचानक	=	एकाएक, अकस्मात।
भौंकना	=	कुत्ते का बोलना, भौं-भौं शब्द करना।
क्रोध	=	गुस्सा, चित्तवृत्ति का वह अप्रिय भाव जो प्रतिकुल घटना पर प्रकट होता है।
मान लेना	=	स्वीकार करना, मानना।
रास्ता	=	मार्ग, पथ।
झाड़ी	=	छोटा घना पौधा।
हलचल	=	अधीरता, व्यग्रता।
सहायता	=	मदद।
जंगल	=	वन, अरण्य।
ध्यान	=	सोचने की क्रिया, चित्त की एकाग्रता।
अन्धेरा	=	अन्धकार।
चोर	=	छिपकर पराये की वस्तु लेने वाला।
रखवाली करना	=	रक्षा करने की क्रिया।

2. **उत्तर दो :—**

(क) कुतिया के कितने पिल्ले थे ?
(ख) कुतिया ने किसको देखा ?
(ग) कुतिया क्या चाहती थी ?
(घ) कुतिया ने किसका पीछा किया ?
(ङ) हिरणी को क्यों गुस्सा आया ?

(च) हिरणी ने किसको मारा ?

(छ) पिल्लों ने क्या सोचा ?

(ज) सब से पहले पिल्ले किसके पास गए ?

(झ) हाथी को क्रोध क्यों आया ?

(ञ) दूसरी बार पिल्ले किसके पास गए ?

(ट) बाघ को क्रोध क्यों आया ?

(ठ) तीसरी बार पिल्ले किसके पास गए ?

(ड) मनुष्य क्यों खुश हुआ ?

(ढ) हिरणी को किसने मारा ?

(ण) कुत्ते मनुष्य के पास क्यों रहने लगे ?

(त) मनुष्य का वफादार दोस्त किसे माना जाता है ?

(थ) किसी पालतु जानवर के बारे में पाँच वाक्य लिखो ।

3. वाक्य बनाओ :—

पिल्ला --

सींग --

बदला --

अचानक --

क्रोध --

रास्ता --

झाड़ी --

जंगल --

चोर --

4. **सही कथन चुनो और लिखो :—**

(क) कुतिया हिरण को मार कर अपने बच्चों को खिलाना चाहती थी।
(ख) अपनी माँ की हत्या से पिल्लों को बहुत खुशी हुई।
(ग) हाथी ने पिल्लों की बात नहीं मानी।
(घ) पिल्लों की हरकत देखकर बाघ को गुस्सा आ गया।
(ङ) मनुष्य की बात सुनकर पिल्ले बहुत खुश हुए।

----

5. **खाली जगह भरो :—**

(क) एक दिन कुतिया ने ·········· को देखा।
(ख) हिरणी ने अपने नुकीले ·········· मार डाला।
(ग) पिल्ले उस आवाज पर ·········· ।
(घ) हाथी ने भी ·········· मान ली।
(ङ) मनुष्य ने पिल्लों को ·········· रहने के लिए कहा।
(च) मनुष्य की बात सुनकर ·········· ।

6. **पढ़ो, और समझो :—**

क्रिया की धातु के साथ 'कर' रूप लगाकर पूर्वकालिक क्रिया बनाई जाती है। इस पाठ में कुछ उदाहरण हैं —

मार	+	कर	=	मारकर
देख	+	कर	=	देखकर
सुन	+	कर	=	सुनकर
ले	+	कर	=	लेकर

छोड़ + कर = छोड़ कर

इस तरह के कुछ और उदाहरण लिखो।

---------+----------= ----------------------------

---------+---------- = ----------------------------

---------+ ----------= ----------------------------

----------+----------=----------------------------

पाठ – दस

मणिपुर का प्राकृतिक सौंदर्य

पूर्वोत्तर, मनोरम, सौंदर्य, प्रकृति, देन, हराभरा, समतल, दुर्लभ, सज्जित, झरना, ध्वनि, भाना, फुदकना, आसमान, जीव-जन्तु, निवास, विश्वविख्यात, पुष्प, उपहार, उद्यान, क्रीड़ा, अनूठा, चमत्कार, डोलना, मोहक, प्रतीत, द्वीप, शोभा, झुण्ड, अतुलनीय।

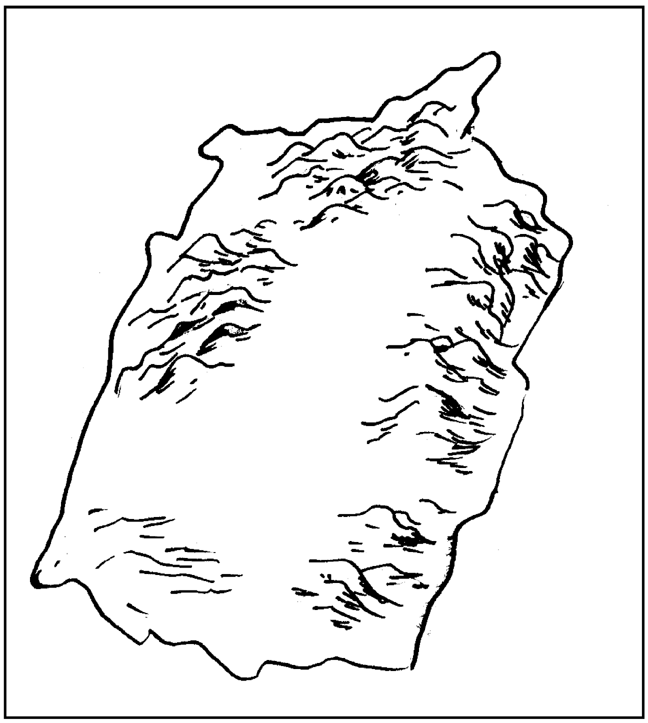

मणिपुर पूर्वोत्तर भारत का एक मनोरम राज्य है। इसका सौंदर्य प्रकृति की देन है। मणिपुर हरी-भरी पर्वतमालाओं से सजा हुआ है। बीच-बीच में हरे-भरे समतल मैदान हैं। प्रकृति ने मणिपुर का दुर्लभ सम्पदा प्रदान की है। मणिपुर की भूमि सालभर फल-फूलों से सज्जित रहती है। ऊँचे पहाड़ों से बहत झरनों की कल-कल ध्वनि मन को भाती है। रंग-बिरंगी चिड़ियाँ चहचहाती

हुई इधर-उधर फुदकती रहती हैं। वे अपनी सहेलियों के साथ पके फल खाती हैं और खुले आसमान में उड़ जाती हैं। घने जंगलों में जीव-जन्तुओं की तरह-तरह की आवाजें गूंजती रहती हैं।

सिरोई पहाड़ को अपना निवास स्थान बनानेवाली विश्वविख्यात ''सिरोइ लिली'' को कौन भूल सकता है। यह पुष्प मणिपुर को प्रकृति का आश्चर्यजनक उपहार है। कैबुल लमजाओ राष्ट्रीय उद्यान में क्रीड़ा करते 'सङाइ' भी प्रकृति की अनूठी देन हैं।

पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी झील 'लोकताक' मणिपुर में ही है। यह प्रकृति का अनूठा चमत्कार माना जाता है। लोकताक झील के जल पर इधर-उधर डोलते हुए 'फूम' कितने मोहक लगते हैं। ये देखने में तैरते हुए टापू जैसे प्रतीत होते हैं। थाङ्ग और कराङ् नामक दो द्वीप लोकताक की शोभा बढ़ाते हैं। देश-विदेश से पक्षियों के झुण्ड यहाँ आते हैं। मणिपुर का प्राकृतिक सौंदर्य अतुलनीय है।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

पूर्वोत्तर	=	पूर्व और उत्तर।
मनोरम	=	सुन्दर, मनोहर।
सौंदर्य	=	सुन्दरता।
हरी-भरी	=	हरियाली और फलफूलों से सम्पन्न।
समतल	=	जो उबड़-खाबड़ न हो।
दुर्लभ	=	कठिनता से प्राप्त होने वाला।
सम्पदा	=	धन-दौलत।
प्रदान	=	देना।
साल	=	वर्ष।
सज्जित	=	सजा हुआ, साज-सामान से युक्त।
कल-कल ध्वनि	=	नदी, निर्झर, आदि के प्रवाह की मृदु ध्वनि, कल-कल नाद।
रंग-बिरंगी	=	अनेक रंगों की।
फुदकना	=	कूद-कूद कर या उछलते हुए चलना।
सहेली	=	सखी।
आसमान	=	आकाश।
घने	=	जिसमें बहुत सी वस्तुएँ सट-सटकर हों।
तराई	=	पहाड़ के नीचे का समतल मैदानी भू-भाग।
मन मोहक	=	मन को मोहने वाला।
विश्वविख्यात	=	जिसे संसार जानता हो, संसार भर में प्रसिद्ध।
भूल	=	भ्रम, गलती।
उद्यान	=	बाग-बगीचा।
अनूठी	=	अनोखी, विलक्षण।
झील	=	प्राकृतिक जलाशय।
चमत्कार	=	करामात, आश्चर्य भरा कार्य।
उपहार	=	भेंट।
क्रीड़ा	=	खेल।

2. उत्तर दो :—

(क) प्रकृति ने मणिपुर को क्या प्रदान की है ?

(ख) सिरोइ लिली का निवास स्थान कहाँ है ?

(ग) सङाइ कहाँ क्रीड़ा करते हैं ?

(घ) पूर्वोत्तर भारत की सब से बड़ी झील का नाम क्या है ?

(ङ) वह झील कहाँ है ?

(च) फूम देखने में कैसा प्रतीत होता है ?

(छ) लोकताक के दो द्वीपों के नाम लिखो।

(ज) देश-विदेश से पक्षियों का झुण्ड कहाँ आता है ?

(झ) मणिपुर के दर्शनीय स्थलों के नाम लिखो ।

(ञ) नौका विहार के बारे में चार वाक्य लिखो ।

3. वाक्य बनाओ :—

पूर्वोत्तर --

मनोरम --

समतल --

दुर्लभ --

आसमान --

मन-मोहक --

विश्वविख्यात --

सम्पदा --

उपहार --

अनूठा --

चमत्कार --

4. तालिका को देखो और वाक्य बनाओ :—

मणिपुर	का की	पूर्वोत्तर भारत का एक मनोरम राज्य हरी-भरी पर्वतमालाओं से सजा हुआ भूमि साल भर फल-फूलों से सज्जित रहती प्राकृतिक सौंदर्य अतुलनीय सौंदर्य प्रकृति की देन	है।

....

....

....

....

....

5. सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (x) का निशान लगाओः—

(क) ऊँचे झरनों की कल-कल ध्वनि मन को भाती है। ☐

(ख) सिरोइ लिली विश्वविख्यात पुष्प है। ☐

(ग) मणिपुर की हर जगह समतल मैदान है। ☐

(घ) सङाइ प्रकृति की अनूठी देन है। ☐

(ङ) कराङ् तैरता हुआ टापू है। ☐

6. दो-दो समानार्थी शब्द लिखो :

कमल	=	[illegible]	[illegible]
फूल	=	---------------	-------------------
हवा	=	---------------	-------------------
पर्वत	=	---------------	-------------------
उद्यान	=	---------------	-------------------
आग	=	---------------	-------------------
आसमान	=	---------------	-------------------

पाठ – ग्यारह

फुटबॉल

मैच, मतलब, गेंद, धकेलना, उछालना, विरोधी, जीत, मैदान, लम्बाई, न्यूनतम, चौड़ाई, बराबर, अतिरिक्त, निर्णय, अवधि, काफी, थकावट, साहस, विश्राम, अन्तराल, दिशा, अवश्य, कोशिश।

ननाओ — भैया, आप कहाँ जा रहे हैं ?

इबोहल — मैं इम्फाल के ''मपाल काङ्जैबुङ्'' में फुटबॉल मैच देखने जा रहा हूँ।

ननाओ — मुझे भी साथ ले चलिए न !

इबोहल — हाँ, चलो। तुम भी साथ चलो।

ननाओ — भैया, एक बात पूछूँ ?

इबोहल — हाँ, बोलो, क्या पूछना चाहते हो ?

ननाओ — फुटबॉल मैच कैसे खेला जाता है ?

इबोहल — फुटबॉल खेल का मतलब है — पैरों से गेंद खेलना। इसमें दो दल होते हैं। हर दल गेंद को पैरों से धकेलते हुए या हवा में उछालते हुए विरोधी दल के गोल-पोस्ट में पहुँचाना चाहता है। गोल-पोस्ट में गेंद पहुँचाने को गोल करना कहते हैं। जो दल अधिक गोल कर देता है, वही जीत जाता है।

ननाओ — फुटबॉल का मैदान कितना लम्बा-चौड़ा होता है ?

इबोहल — फुटबॉल के मैदान की लम्बाई न्यूनतम 90 मीटर और अधिकतम 120 मीटर होनी चाहिए।

ननाओ — और चौड़ाई ?

इबोहल — इसकी चौड़ाई न्यूनतम 45 मीटर और अधिकतम 90 मीटर होनी चाहिए।

ननाओ — गोल-पोस्ट किसे कहते हैं ?

इबोहल — खेल के मैदान की सीमा पर दोनों ओर गड़े खम्भों को गोल पोस्ट कहते हैं।

ननाओ — दोनों दल बराबर-बराबर गोल करें तो क्या होता है ?

इबोहल — दोनों दलों को अतिरिक्त समय देकर निर्णय करने का अवसर दिया जाता है।

ननाओ — एक दल में कितने खिलाड़ी होते हैं ?

इबोहल — हर दल में ग्यारह-ग्यारह खिलाड़ी होते हैं ?

ननाओ — खेल की अवधि कितनी होती है ?

इबोहल — 90 मिनट की।

ननाओ — इसमें तो खिलाड़ियों को काफी थकावट आ जाती होगी।

इबोहल — हाँ, यह तो साहस और बल का खेल है।

ननाओ — क्या इस खेल में विश्राम के लिए अन्तराल नहीं होता ?

इबोहल — पैंतालीस मिनट के बाद अन्तराल होता है। उसके बाद फिर खेल शुरू होता है।

ननाओ — आगे बताइए।

इबोहल — विश्राम के बाद दोनों टीमें आपस में दिशा बदलती हैं।

ननाओ — मैं भी फुटबॉल खेलना चाहता हूँ।

इबोहल — हाँ, अवश्य खेलो। अच्छा खिलाड़ी बनने की कोशिश करो। आओ चलो, खेल शुरू होने वाला होगा।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

धकेलना	=	धक्का देकर आगे बढ़ाना।
हवा	=	वायु।
उछालना	=	ऊपर फेंकना।
विरोधी	=	विरोध करनेवाला, उल्टा।
बराबर	=	समान।
अतिरिक्त	=	फालतू, भिन्न, अलावा।
निर्णय	=	फैसला।
अवधि	=	निश्चित समय।
थकावट	=	थकने का भाव।
साहस	=	हिम्मत।
बल	=	शारीरिक शक्ति, ताकत।
विश्राम	=	आराम।
अन्तराल	=	दो बिन्दुओं या कालों के मध्य का अवकाश।
दिशा	=	ओर, तरफ।

2. **उत्तर दो :—**

(क) फुटबॉल पाठ में कौन-कौन बातचीत करते हैं ?
(ख) फुटबॉल खेल का अर्थ क्या है ?
(ग) यह खेल कैसे खेला जाता है ?
(घ) गोल करना किसे कहते हैं ?
(ङ) फुटबॉल के मैदान की लम्बाई और चौड़ाई कितनी होती है ?
(च) गोल-पोस्ट किसे कहते हैं ?
(छ) एक टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं ?
(ज) फुटबॉल खेल की अवधि कितनी होती है ?
(झ) फुटबॉल कैसा खेल है ?
(ञ) दोनों टीमें आपस में दिशा कब बदलती हैं ?

(ट) मणिपुर के प्रसिदुध खिलाड़ियों के नाम लिखो ।

(ठ) फुटबाल की तरह टोलियों में खेले जाने वाले किसी एक खेल के बारे में पाँच वाक्य लिखो ।

3. **विलोम शब्दों को ध्यान से पढ़ो ओर याद करो :**

लम्बा - चौड़ा
अधिकतम - न्यूनतम
जीत - हार
सबल - निर्बल
ऊँच - नीच
एक - अनेक
अच्छा - बुरा

4. **वाक्य बनाओ :—**

धकेलना --

बराबर --

अतिरिक्त --

निर्णय --

अवधि --

विश्राम --

दिशा --

बदलना --

कोशिश --

अन्तराल --

5. **खाली जगह भरो :—**

(क) गोल-पोस्ट में .... गोल करना कहते हैं।

(ख) हर दल में .... होते हैं।

(ग) पैंतालीस मिनट के बाद .... ।

(घ) विश्राम के बाद .... आपस में .... हैं।

(ङ) जो दल अधिक .... है, वही .... जाता है।

6. सही कथन चुनो और लिखो :—

(क) फुटबॉल खेल का मतलब है — पैरों से गेंद खेलना।

(ख) फुटबॉल के मैदान की लम्बाई अधिकतम 90 मीटर है।

(ग) फुटबॉल के मैदान की चौड़ाई न्यूनतम 45 मीटर है।

(घ) खेल की अवधि 90 मिनट की होती है।

(ङ) फुटबॉल साहस और बल का खेल है।

----

7. अर्थ लिखो :—

बराबर =------------------------------

निर्णय = ------------------------------

साहस = ------------------------------

विश्राम = ------------------------------

दिशा = ------------------------------

8. विलोम शब्द लिखो :—

एक	=	--------------------------------
अधिकतम	=	--------------------------------
अच्छा	=	--------------------------------
जीत	=	--------------------------------
ऊँच	=	--------------------------------

9. ध्यान से पढ़ो और याद करो :—

'जो' शब्द संबन्ध वाचक सर्वनाम है।

उदाहरणार्थ — **''जो दल अधिक गोल कर देता है, वही जीत जाता है।''**

विभिन्न विभक्तियों के साथ 'जो' के रूप ध्यान से पढ़ो और समझो —

जो	+	ने	=	जिसने
जो	+	को	=	जिसको
जो	+	से	=	जिससे
जो	+	के लिए	=	जिसके लिए
जो	+	का/के/की	=	जिसका/जिसके/जिसकी
जो	+	में	=	जिसमें
जो	+	पर	=	जिसपर

पाठ – बारह

पाओना ब्रजवासी

आजादी, शहीद, युवावस्था, वंश, प्रसिद्ध, अंगरक्षक, योद्धा, सूबेदार, नियुक्त, ज्येष्ठ, राज-गद्दी, विरुद्ध, घोषणा, हमला, हड़पना, साहस, सामना, स्वाधीनता, कैद, मेजर, भार, घमासान, वीरगति, सम्भावना, असली, लड़ाई, सम्पन्न, आज्ञा, घायल।

मणिपुर की आजादी की लड़ाई में अनेक वीर शहीद हुए। पाओना ब्रजवासी उनमें से एक थे। उनका असली नाम था, पाओनम नवल सिंह। वे अपनी युवावस्था में कई वर्ष तक वृन्दावन में रहे। वृन्दावन ब्रज-क्षेत्र का एक तीर्थ है। इस कारण नवल सिंह को ब्रजवासी नाम से पुकारा जाने लगा। ब्रजवासी के वंश का नाम पाओनम था। पाओनम वंश के लोगों को पाओना भी कहा जाता है। इससे पाओनम नवल सिंह, पाओना ब्रजवासी के रूप में प्रसिद्ध हुए।

मणिपुर के महाराज चन्द्रकीर्ति ने उन्हें अपना अंगरक्षक बनाया। पाओना ब्रजवासी एक योद्धा थे। उनकी वीरता को देखकर महाराज ने उन्हें सूबेदार के पद पर नियुक्त किया। महाराज चन्द्रकीर्ति के बाद उनके ज्येष्ठ पुत्र सुरचन्द्र को राज-गद्दी मिली। चन्द्रकीर्ति के चचेरे भाई बोराचाओबा यह नहीं चाहते थे। इसलिए उन्होंने सुरचन्द्र के विरुद्ध लड़ाई की घोषणा कर दी। इस लड़ाई में पाओना ब्रजवासी को पकड़ लिया गया। उन्हें जेल में डाल दिया गया।

सन् 1891 में अंगरेजों ने मणिपुर पर हमला कर दिया। वे इस राज्य को हड़पना चाहते थे। उनके पास विशाल सेना थी। कम होते हुए भी मणिपुरी सैनिकों ने साहस के साथ अंगरेजों का

सामना किया। वे वीरता के साथ लड़े। लड़ाई ने बड़ा भयंकर रूप धारण कर लिया। मणिपुर के बहुत-से योद्धा मारे गए। मणिपुर की स्वाधीनता का प्रश्न सामने था। इसलिए राजा कुलचन्द्र ने पाओना ब्रजवासी को कैद से छोड़ने की आज्ञा दी। उन्हें मेजर का पद दिया गया और मणिपुर की रक्षा का भार सौंपा गया।

खोङ्जोम नदी के किनारे घमासान युद्ध हुआ। अनेक योद्धाओं ने वीरगति पाई। अंगरेज सेना आधुनिक साधनों से सम्पन्न थी। मणिपुरी सैनिक बहुत कम रह गए। उनमें से भी अनेक घायल हो गए। मणिपुर की जीत की सम्भावना नहीं रही। लेकिन पाओना ने युद्ध भूमि नहीं छोड़ी। उन्होंने बचे हुए मणिपुरी सैनिकों को घर लौटने की आज्ञा दी। वे युद्ध भूमि में अकेले रह गए और अन्तिम साँस तक मातृभूमि मणिपुर के लिए लड़ते रहे। उन्होंने खोङ्जोम नदी के किनारे वीरगति प्राप्त की।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

आजादी	=	स्वतंत्रता, स्वाधीनता।
शहीद	=	आत्म बलिदान करने वाला वीर।
युवावस्था	=	जवानी, युवक होने की अवस्था।
वंश	=	संतति, खानदान, कुटुम्ब।
प्रसिद्ध	=	मशहूर, ख्यात।
अंगरक्षक	=	राजा-महाराजा आदि की रक्षा में नियुक्त सशस्त्र प्रहरी।
योद्धा	=	सिपाही, युद्ध-करने वाला।
सूबेदार	=	सूबे का शासक।
नियुक्त	=	चुनकर किसी काम में लगाया हुआ।

2. **उत्तर दो :—**

(क) पाओना ब्रजवासी कौन थे ?

(ख) पाओना ब्रजवासी का असली नाम क्या था ?

(ग) पाओना अपनी युवावस्था में कहाँ रहे थे ?

(घ) पाओना का नाम ब्रजवासी क्यों पड़ा ?
(ङ) पाओनम वंश के लोगों को क्या कहा जाता है ?
(च) पाओना को किसने अंगरक्षक बनाया।
(छ) पाओना का विशेष गुण क्या था ?
(ज) पाओना को महाराज ने क्यों सूबेदार पद पर नियुक्त किया ?
(झ) महाराज चन्द्रकीर्ति के बाद किसको राजगद्दी मिली ?
(ञ) बोराचाओबा कौन थे ?
(ट) बोराचाओबा ने किसके विरुद्ध लड़ाई की घोषणा कर दी ?
(ठ) पाओना ब्रजवासी को क्यों जेल में डाल दिया गया ?
(ड) अंगरेजों ने मणिपुर पर कब हमला कर दिया ?
(ढ) अंगरेज क्या चाहते थे ?
(ण) मणिपुरी सैनिकों ने अंगरेजों का सामना कैसे किया ?
(त) राजा कुलचन्द्र ने पाओना ब्रजवासी को कैद से छोड़ने की आज्ञा क्यों दी ?
(थ) पाओना ब्रजवासी को मेजर का पद क्यों दिया गया ?
(द) अंगरेजों के साथ मणिपुरी सेना का अन्तिम युद्ध कहाँ हुआ था ?
(ध) मणिपुरी योद्धाओंने कहाँ वीरगति पाई ?
(न) अंगरेजी सेना किससे सम्पन्न थी ?
(प) पाओना ने युद्ध भूमि क्यों नहीं छोड़ी ?
(फ) पाओना ने कहाँ वीरगति पाई ?
(ब) पाओना ब्रजवासी की तरह शहीद हुए मणिपुर के अन्य शहीदों के नाम लिखो ।
(भ) खोङजोम कैसी नदी है ? इसके बारे में चार वाक्य लिखो ।
(म) खोङजोम दिवस कब मनाया जाता है ?

3. **वाक्य बनाओ :—**

शहीद --

वंश --

प्रसिद्ध--

योद्धा--

नियुक्त --

ज्येष्ठ --

राजगद्दी --

घोषणा --

हड़पना --

घमासान --

4. **तालिका को ध्यान से देखो, तथा खण्ड 'क' और 'ख' के वाक्यांशों को सही ढंग से जोड़ कर लिखो :—**

क	ख
(अ) सन् 1891 में अंगरेजों ने	**(अ)** अंगरेजों का सामना किया।
(आ) वे इस राज्य को	**(आ)** साथ लड़े।
(इ) लड़ाई ने बड़ा भयंकर	**(इ)** योद्धा मारे गये।
(ई) मणिपुर के बहुत से	**(ई)** रूप धारण किया।
(उ) मणिपुरी सैनिकों ने साहस के साथ	**(उ)** मणिपुर पर हमला कर दिया।
(ऊ) वे वीरता के	**(ऊ)** हड़पना चाहते थे।

----

5. पढ़ो, समझो ओर याद करो :-

कोई + ने	= किसी ने
कोई + को	= किसी को
कोइ + से	= किसी से
कोई + के लिए	= किसी के लिए
कोई + का/के/की	= किसीका /किसीके/किसीकी
कोई + में	= किसी में
कोई + पर	= किसी पर

6. इन संज्ञाओं के लिंग पहचान कर याद करो :—

पुँल्लिंग	स्त्रीलिंग
अंगरक्षक	आजादी
वंश	युवावस्था
शहीद	राजगद्दी
योद्धा	कैद
सूबेदार	लड़ाई
भार	घोषणा

7. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो :—

स्वतंत्रता =	--------	------	वंश =	---------	-----------
कैद =	--------	------	राजा =	--------	-----------
जीत =	--------	------	घमासान =	------	-----------
युद्ध =	--------	------	लड़ाई =	-------	-----------

पाठ – तेरह

मणिपुरी रास

संस्कृति, पहचान, सम्पूर्ण, नृत्य, सम्मिलित, शास्त्रीय, विशिष्ट, आधार, पवित्र, भक्ति, उपासना, विधि, परम्परा, अभिषेक, आयोजन, आरंभ, अग्रहायण, कार्तिक, वैशाख, पूर्णिमा, मण्डप, गुरु, रासधारी, नट-संकीर्तन, सूत्रधार, गायन, मृदंग, वादन।

मणिपुरी रास मणिपुरी संस्कृति की विशेष पहचान है। यह भारत में ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। यह गीत और नृत्य का सम्मिलित रूप है। यह भारत के शास्त्रीय नृत्यों में विशिष्ट स्थान रखता है। नृत्य का आधार राधा और कृष्ण का पवित्र प्रेम है। यह भक्ति और उपासना की एक विधि है।

मणिपुर में रास की परंपरा राजा भाग्यचन्द्र के राज्य काल से चली आ रही है। सन् 1776 ई. को श्री श्री गोविन्द जी का अभिषेक हुआ। लंथबान (वर्तमान काँचीपुर) के रास-मण्डल में प्रथम रास-नृत्य का आयोजन किया गया।

मणिपुरी रास के पाँच प्रकार हैं। उनके नाम हैं, महारास, कुंजरास, वसन्त रास, नित्य रास और दिवारास। महारास, कुंजरास और वसन्त रास का आरंभ राजा भाग्यचन्द्र के राज्य काल में हुआ था। अग्रहायण पूर्णिमा के दिन महारास, कार्तिक पूर्णिमा के दिन कुंजरास और वैशाख पूर्णिमा के दिन वसन्त रास किया जाता है। नित्य रास का आरंभ राजा चन्द्रकीर्ति के समय में हुआ था। यह रास वैशाख और अग्रहायण महीनों को छोड़ कर कभी भी किया जा सकता है। दिवा रास राजा चुड़ाचाँद सिंह जी के समय आरंभ हुआ था। यह रास किसी भी महीने में दिन के समय किया जाता है।

रास-नृत्य का आयोजन श्रीश्री गोविन्द जी के मण्डप, श्रीश्री विजय गोविन्द जी के मण्डप तथा अन्य स्थानों पर किया जाता है। रास एक गुरु द्वारा सिखाया जाता है। उस गुरु को रासधारी कहा जाता है। रास शुरू होने के पहले नट्-संकीर्तन होता है। इसके बाद सूत्रधार के गायन, मृदंग वादन, शंख वादन, वंशी वादन, आदि के साथ रास-नृत्य शुरू होता है।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

संस्कृति	=	आचरणगत परंपरा, संस्कार।
विशेष	=	असामान्य, असाधारण।
पहचान	=	जानने की क्रिया।
विश्व	=	संसार।
सम्मिलित	=	मिलाया हुआ, एकत्र हुआ।
शास्त्रीय नृत्य	=	निश्चित प्राचीन नियमों पर आधारित नृत्य।
विशिष्ट	=	विशेष।
भक्ति	=	अपने से महान के प्रति पूजा भाव।
उपासना	=	आराधना, पूजा, पास बैठने की क्रिया।
विधि	=	नियम, प्रणाली।
परम्परा	=	चला आता हुआ क्रम, रीति-रिवाज।

राज्य काल	=	शासन काल।
अभिषेक होना	=	पूजा विधि के अनुसार स्थापित करना।
आयोजन करना	=	प्रबंध करना।
सूत्रधार	=	नाट्य शाला अथवा रास का प्रधान नट।
गायन	=	गाने की क्रिया।
वादन	=	बजाना।

2. **उत्तर लिखो :—**

(क) मणिपुरी संस्कृति की विशेष पहचान क्या है ?
(ख) मणिपुरी रास किसका सम्मिलित रूप है ?
(ग) मणिपुरी रास कैसा नृत्य है ?
(घ) इसका आधार क्या है ?
(ङ) इसकी विधि क्या है ?
(च) इसकी परंपरा किसके राज्य काल से चली आ रही है ?
(छ) श्री श्री गोविन्दजी का अभिषेक कब हुआ ?
(ज) रास का प्रथम आयोजन कहाँ हुआ था ?
(झ) मणिपुरी रास के कितने प्रकार हैं ? उनके नाम लिखो।
(ञ) राजा भाग्यचन्द्र के राज्य काल में आरंभ किए गए रासों के नाम लिखो।
(ट) महारास का आयोजन कब होता है ?
(ठ) कुंजरास का आयोजन कब होता है ?
(ड) वसन्त रास का आयोजन कब होता है ?
(ढ) नित्य रास का प्रारंभ किस राजा के समय हुआ था ?
(ण) इसका आयोजन कब होता है ?
(त) दिवारास का प्रारंभ किसके राज्य काल में हुआ था ?
(थ) इसका आयोजन कब होता है ?
(द) रास-नृत्य का आयोजन कहाँ-कहाँ होता है ?
(ध) ईश्वर की प्राप्ति के लिए हमें क्या छोड़ना चाहिए और क्यों ?
(न) महारास किसका प्रतीक है ?
(प) रास के गुरु को क्या कहा जाता है ?
(फ) रास शुरू होने के पहले क्या होता है ?

(व) रास की शुरूआत किस-किसके साथ होती है ?

(भ) भारत के शास्त्रीय नृत्यों के नाम लिखो ।

(म) मणिपुर का सबसे प्रचलित लोकनृत्य का नाम क्या है ? यह नृत्य कब किया जाता है ?

3. **वाक्य बनाओ :—**

पहचान --

विश्व --

उपासना --

विधि --

प्रथम --

आयोजन --

महीना --

गायन --

बाधक --

वादन --

4. **कोष्ठक में दिए शब्दों में से सही शब्द चुनकर खाली स्थानों को भरो :—**

(क) मणिपुरी रास की परंपरा ································ के राज्य काल से चली आ रही है।

(राजा चुड़ाचाँद/राजा भाग्यचन्द्र)

(ख) मणिपुरी रास के ··· प्रकार हैं। (पाँच/चार)

(ग) नित्य रास का आरंभ ····································· के समय में हुआ था।

(राजा चंद्रकीर्ति/राजा भाग्यचन्द्र)

(घ) रास के गुरु को .... कहा जाता है। (रासधारी/रास गुरु)

(ङ) रास शुरू होने के पहले ----------- होता है (नट संकीर्तन / वंशी वादन)

5. तालिका को देखो और वाक्य बनाओ :—

महारास कुंजरास वसन्तरास	वैशाख पूर्णिमा के दिन अग्रहायण पूर्णिमा के दिन कार्तिक पूर्णिमा के दिन	किया जाता है।

....

....

....

6. सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (x) का निशान लगाओः—

(क) मणिपुरी रास भारत में ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है। ☐

(ख) नित्यरास वैशाख और अग्रहायण महीनों में किया जाता है। ☐

(ग) दिवारास किसी भी महीने में रातके समय किया जाता है। ☐

(घ) ईश्वर की प्राप्ति में अहम्-भाव बाधक होता है। ☐

(ङ) रास शुरू होने के पहले नट्-संकीर्तन नहीं होता। ☐

7. नीचे कुछ शब्दों के विपरीत अर्थवाले शब्द दिए गए हैं इनको ध्यान से पढ़ो और याद करो :

दिवा — रात्रि
दिन — रात
पूर्णिमा — अमावस्या
पवित्र — अपवित्र
प्रसिद्ध — अप्रसिद्ध
आरंभ — अन्त
शुरू — आखिर

पाठ – चौदह

तीनों भाइयों की कहानी

देखभाल, कमजोर, मौत, परेशानी, तूम्बी, पोखर, छेद, डुबोना, शव, चूल्हा, गाड़ना, निर्णय, जंगल, नाखून, बेचारा, मुकाबला, तीर, निशाना, जीतना, घोषणा, अधिकार, सृष्टि, चाटना, बारी, फूटना, प्यास, मृत्यु।

पुराने समय की बात है। सृष्टि के आरंभ में देवता, मनुष्य और बाघ भाई-भाई थे। तीनों भाई अपनी माँ की देखभाल बारी-बारी से करते थे। देवता और मनुष्य की बारी में उनकी माँ सुखी रहती थी। लेकिन, बाघ की बारी में वह कमज़ोर हो जाती थी। बाघ अपनी माँ को चाटता रहता था। धीरे-धीरे उनकी माँ मौत की ओर बढ़ने लगी।

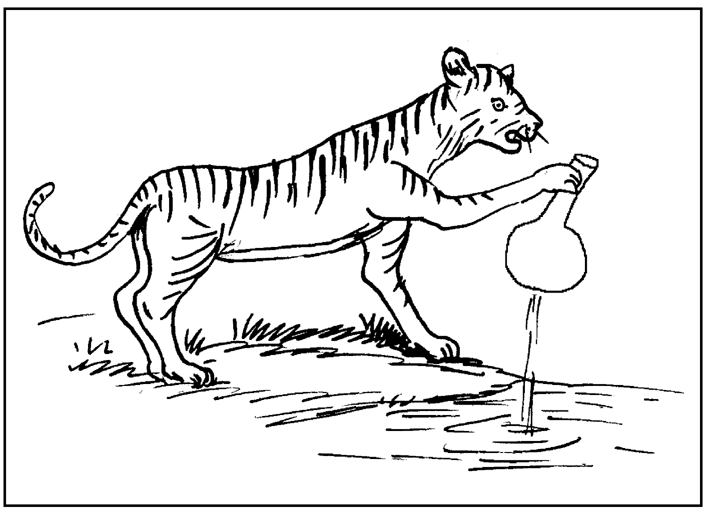

इस कारण देवता और मनुष्य को बहुत परेशानी हुई। दोनों ने एक उपाय सोचा। उन्होंने बाघ को पानी लाने के लिए एक फूटी हुई तूम्बी दी। देवता ने बाघ से कहा — ''माँ को प्यास लगी है। इस तूम्बी में पानी भर कर ले आओ। खाली हाथ मत चले आना।'' ''हाँ, मैं पानी जरूर लाऊँगा।'' बाघ ने उत्तर दिया और एक पोखर की ओर चला गया। बाघ ने पोखर के पानी में तूम्बी को डुबोया। पानी भर गया। बाघ ने तूम्बी को पानी से

बाहर निकाला। लेकिन उसमें छेद था। पानी से ऊपर उठाते ही उसके छेद में से सारा पानी बाहर निकल गया। बाघ ने तूम्बी को दुबारा पानी में डुबोया। ऊपर उठाते ही पानी फिर बाहर निकल गया। इस तरह बाघ बार-बार करता रहा। किन्तु, पानी नहीं भर सका। इसी बीच माँ की मृत्यु हो गई। देवता और मनुष्य ने माँ के शव को चूल्हे के नीचे गाड़ दिया। बाघ माँ के शव को नहीं खोज पाया।

अपनी माँ की मृत्यु के बाद तीनों भाइयों ने अलग-अलग रहने का निर्णय किया। देवता ने स्वर्ग को चुना। मनुष्य और बाघ में से एक को जंगल में रहना था, दूसरे को गाँव में। उनमें से कोई भी जंगल में नहीं रहना चाहता था। देवता ने एक उपाय निकाला। उसने एक धनुष और तीर बनाए। उसने बाघ से पूछा — ''क्या तुम इसे लेना चाहोगे ? यह तुम्हारे काम आ सकता है।'' बाघ ने उत्तर दिया — ''नहीं, मुझे नहीं चाहिए। मेरे लिए दाँत और नाखून ही काफी हैं। इसे उस बेचारे मनुष्य को दे दो।''

देवता ने धनुष और तीर मनुष्य को दे दिया। दूसरे दिन देवता ने मनुष्य और बाघ के बीच दौड़ का मुकाबला आयोजित किया। घर से थोड़ी दूर एक पेड़ था। उस पेड़ के पास बाघ और मनुष्य खड़े थे। दौड़ शुरू हो गई। बाघ घर की ओर तेजी से दौड़ने लगा। देवता ने मनुष्य से घर की ओर तीर चलाने को कहा। तीर बाघ से पहले घर पर लग गया। देवता ने मनुष्य के जीतने की घोषणा कर दी।

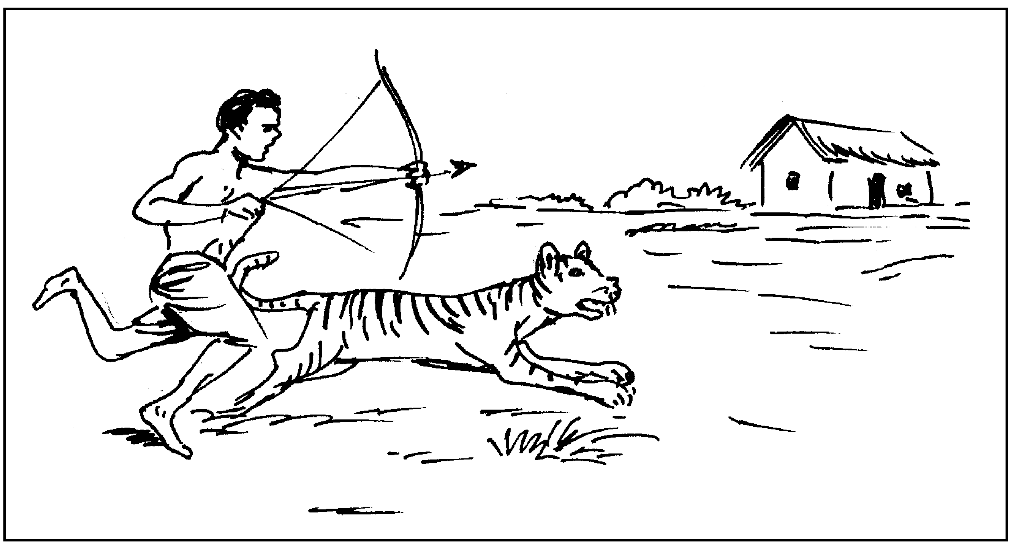

मनुष्य को गाँव में रहने का अधिकार मिला। बाघ को रहने के लिए जंगल में जाना पड़ा। उस दिन से देवता, मनुष्य और बाघ अलग-अलग रहने लगे।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—

देखभाल	=	संरक्षण, निरीक्षण।
कमजोर	=	दुर्बल, कम ताकत वाला।
मौत	=	मृत्यु , मर जाना ।
परेशानी	=	व्याकुलता, उद्विग्नता।
तूम्बी	=	सूखे कद्दू का बनाया हुआ जल पात्र।
पोखर	=	तालाब, जलाशय।
छेद	=	छिद्र।
डुबोना	=	पानी या तरल चीज की सतह के नीचे किसी वस्तु को ले जाना।
शव	=	मृत शरीर, लाश।
चूल्हा	=	मिट्टी का अथवा लोहे का बना हुआ वह आधार जिसमें आँच रख कर पकाने का काम होता है।
गाड़ना	=	जमीन में गड्ढा खोद कर उसमें कोई चीज रख कर मिट्टी से ढाँपना।
निर्णय	=	उचित-अनुचित का विचार करना, फैसला।
जंगल	=	वन, अरण्य।
गाँव	=	ग्राम।
नाखून	=	ऊँगली के सिरे पर का कठोर चिकना भाग।
बेचारा	=	जिसका कोई नहीं, दीन, निःसहाय।
मुकाबला	=	तुलना, मुठभेड़, प्रतियोगिता।
तीर	=	बाण, नद या नदी आदि का किनारा।
निशाना	=	लक्ष्य।
जीतना	=	विजय प्राप्त करना, सफलता प्राप्त करना।
घोषणा	=	ऊँची आवाज में सूचना देना।
अधिकार	=	प्राकृतिक न्यायानुसार कोई कार्य करने का मौलिक विकल्प।

2. **उत्तर दो :—**

(क) सृष्टि के आरंभ में कौन-कौन भाई-भाई थे ?

(ख) तीनों भाई अपनी माँ की देखभाल कैसे करते थे ?

(ग) माँ मौत की ओर क्यों बढ़ने लगी ?

(घ) देवता और मनुष्य को क्यों परेशानी हुई ?

(ङ) देवता और मनुष्य ने बाघ को क्या दिया ?

(च) बाघ पानी क्यों नहीं भर सका ?

(छ) माँ के शव को कहाँ गाड़ दिया गया ?

(ज) माँ की मृत्यु के बाद तीनों भाइयों ने क्या निर्णय किया ?

(झ) रहने के लिए स्वर्ग को किसने चुना ?

(ञ) देवता ने बाघ से क्या पूछा ?

(ट) दौड़ के मुकाबला का आयोजन क्यों किया गया ?

(ठ) पेड़ के पास कौन-कौन खड़े थे ?

(ड) देवता ने मनुष्य से क्या करने को कहा ?

(ढ) मुकाबला में किसकी जीत हुई ?

(ण) मनुष्य को कहाँ रहने का अधिकार मिला ?

(त) बाघ को रहने के लिए कहाँ जाना पड़ा ?

(थ) मणिपुर के प्रसिद्ध लोक कथाओं के नाम लिखो ।

3. **वाक्य बनाओ :—**

परेशानी ---

पोखर ---

चूल्हा ---

गाड़ना ---

निर्णय ---

नाखून ---

मुकाबला ---

अधिकार ---

बेचारा ---

निशाना ---

4. **तालिका को देखो और वाक्य बनाओ :—**

देवता मनुष्य बाघ	ने को	स्वर्ग को चुना। गाँव में रहने का अधिकार मिला । धनुष और तीर मनुष्य को दे दिया। रहने के लिए जंगल में जाना पड़ा । मनुष्य के जीतने की घोषणा कर दी।

....

....

....

....

....

5. **सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (x) का निशान लगाओः—**

(क) तीन भाई अपनी माँ की देखभाल बारी-बारी से करते थे। ☐

(ख) बाघ अपनी माँ को चाटता रहता था। ☐

(ग) बाघ पानी भर कर लौट आया। ☐

(घ) बाघ माँ के शव को खोज पाया। ☐

(ङ) देवता ने एक धनुष और तीर बनाए। ☐

6. **खाली जगह भरो :—**

(क) देवता और मनुष्य की ………………………………………… सुखी रहती थी।

(ख) बाघ ने तूम्बी को ………………………………………………… निकाला।

(ग) इसी बीच ………………………………………………………… हो गई।

(घ) घर से थोड़ी ……………………………………………………………… ।

(ङ) उस दिन से ……………………… और ……………………… रहते हैं।

7. **नीचे लिखे वाक्यों को पढ़ो और रेखांकित शब्दों पर ध्यान दो :-**

(क) मोहन ने राधा से करुणा से भरी कथा सुनी ।

(ख) गन्ने में मिठास है ।

(ग) कागज में सफेदी है ।

(घ) राम मेरे बचपन का दोस्त है ।

(ङ) बेटे ने अपने पिता से क्षमा मांगी ।

ऊपर के रेखांकित शब्द करुणा, मिठास, सफेदी , बचपन, क्षमा आदि किसी न किसी भाव, गुण, दशा आदि के नाम हैं । इन शब्दों को हिन्दी व्याकरण में भाववाचक संज्ञा कहते हैं ।

8. **इस पाठ से भाववाचक संज्ञाएँ निकालकर लिखो :**

………………………………………………………………………………………

………………………………………………………………………………………

………………………………………………………………………………………

………………………………………………………………………………………

पाठ – पन्द्रह

ताजमहल

भूगोल, शोर, मौन, फव्वारा, जलाशय, प्रतिबिम्ब, सम्राट, बेगम, स्मृति, संगमरमर, इमारत, निशानी, चाँदनी, झिलमिलाना, पौ, नरम, गुलाबी, सूर्यास्त, आभा, आग्नेय, सौन्दर्य, दर्शक, स्थाई, मुहब्बत, आलीशान,इरादा, परिणाम, कारीगर, कब्र, तहखाना, स्मारक।

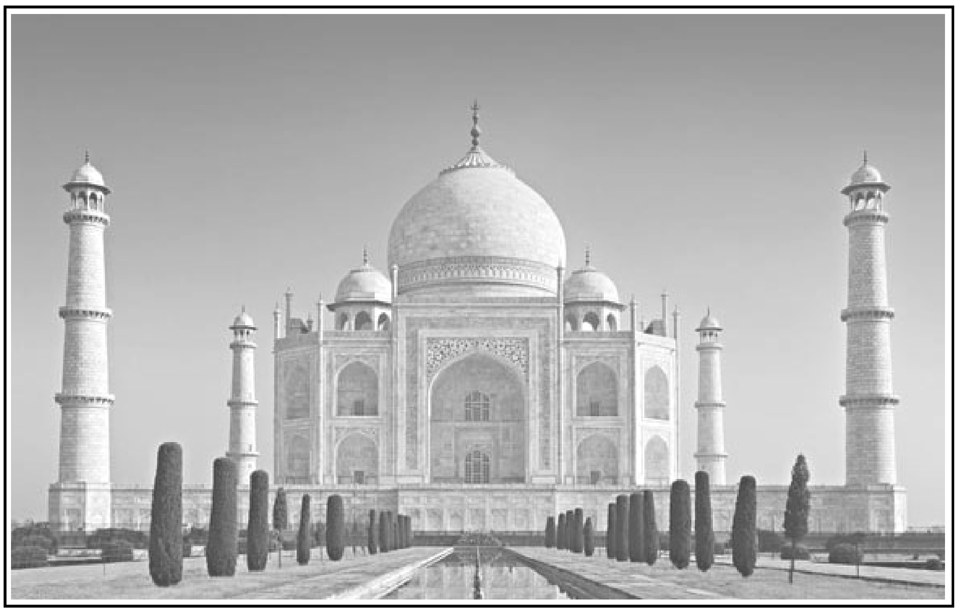

विद्यार्थी — गुरु जी ! ताजमहल कहाँ पर है ?

शिक्षक — विद्यार्थियो ! तुम लोगों ने भूगोल पढ़ा है। बताओ, आगरा किस राज्य में है ?

विद्यार्थी — गुरु जी ! आगरा उत्तर-प्रदेश का एक जिला है।

शिक्षक — बहुत अच्छा, बिलकुल ठीक। ताजमहल इसी जिले में है।

विद्यार्थी — गुरुजी ! ताजमहल के बारे में और कुछ बताइए।

शिक्षक — तुम लोग शोर मत मचाओ, ध्यान से सुनो। आगरा को ताजमहल का शहर कहकर पुकारा जाता है। ताजमहल यमुना नदी के किनारे मौन खड़ा है। उसके सामने फव्वारों वाला लम्बा जलाशय है। इस जलाशय में ताजमहल का प्रतिबिम्ब पड़ता है।

विद्यार्थी — गुरुजी ! यह किसने बनवाया था और क्यों ?

शिक्षक — मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की स्मृति में संगमरमर की यह इमारत बनवाई थी। यह विश्वभर में प्रेम की एकमात्र निशानी है। आज तक किसी ने इस तरह की इमारत नहीं बनवाई। अब आगे और सुनो। संगमरमर की यह इमारत चाँदनी रात में झिल-मिलाती है। पौ फटने के समय इसका रंग नरम गुलाबी होता है और सूर्यास्त के समय इसकी आभा आग्नेय हो जाती है। इसके सौन्दर्य को देखकर दर्शक दाँतों तले अँगुली दबाये बिना नहीं रह पाते।

विद्यार्थी — गुरुजी, मुमताज की मृत्यु कैसे हुई थी ?

शिक्षक — बेगम मुमताज महल चौदहवें बच्चे को जन्म देते समय मृत्यु के मुँह में चली गई थी।

विद्यार्थी — तब शाहजहाँ ने क्या किया ?

शिक्षक — शाहजहाँ ने बेगम मुमताज महल की याद को स्थाई बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने अपनी मुहब्बत को हमेशा जीवित रखने के लिए एक आलीशान इमारत बनाने का निश्चय किया। ताजमहल शाहजहाँ के उसी इरादे का परिणाम है।

विद्यार्थी — गुरुजी, ताजमहल कितने लोगों ने, कितने दिनों में बनाया ?

शिक्षक — इसे बीस हजार कारीगरों और मजदूरों ने बाईस साल में तैयार किया।

विद्यार्थी — गुरुजी, क्या ताजमहल में मुमताज की कब्र है ?

शिक्षक — ताजमहल के नीचे तहखाने में मुमताज महल और शाहजहाँ की कब्रें बराबर-बराबर हैं। वहाँ हमेशा मन्द प्रकाश रहता है।

विद्यार्थी — गुरुजी, ताजमहल की कहानी तो आश्चर्यजनक है।

शिक्षक — हाँ, ताजमहल प्रेम का आश्चर्यजनक स्मारक है । इसे संसार के आश्चर्यो में गिना जाता हैं।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

बिलकुल	=	पूरा-पूरा, सब।
फव्वारा	=	पतली-पतली जल धाराएँ तेजी से ऊपर फेंकने वाला यन्त्र।
जलाशय	=	जहाँ पानी जमा हो, तालाब।
प्रतिबिम्ब	=	छाया, परछाई।
स्मृति	=	स्मरण, याद।
संगमरमर	=	एक प्रकार का कड़ा सफेद बहुमूल्य पत्थर।
इमारत	=	विशाल भवन।
झिलमिला	=	रह-रहकर हिलते हुए-प्रकाशित होने वाला, चमकना।
पौ फटना	=	प्रातःकाल होना।
आभा	=	चमक, कान्ति, दीप्ति, शोभा।
आलीशान	=	उत्तम, बड़ा, भव्य, विशाल।
कब्र	=	शव गाड़ने वाला गड्ढा, समाधि।
स्मारक	=	याद दिलाने वाला।
तहखाना	=	किसी भवन के नीचे ज़मीन में बनी कोठरी।

2. **उत्तर दो :—**

(क) ताजमहल कहाँ है ?

(ख) किस शहर को ताजमहल का शहर कहा जाता है ?

(ग) ताजमहल किसने बनवाया था ?

(घ) ताजमहल क्यों बनवाया गया था ?

(ङ) चाँदनी रात में ताजमहल कैसा दिखता है ?

(च) पौ फटने के समय इसका रंग कैसा हो जाता है ?

(छ) मुमताज बेगम की मृत्यु कैसे हुई ।

(ज) ताजमहल को बनाने में कितने दिन लगे ?

(झ) ताजमहल के तहखाने में किस किसकी कब्रें हैं ?

(ञ) ताजमहल कौन-सी नदी के किनारे स्थित है ?

(ट) इस पाठ के आधार पर ममताज बेगम के बारे में पाँच वाक्य लिखो ।

(ठ) भारत की किन्हीं तीन प्रसिध्द्र ऐतिहासिक इमारतों के नाम लिखो ।

3. **वाक्य बनाओ :—**

बिलकुल --

जलाशय --

स्मृति --

इमारत --

झिलमिल --

आभा --

आलीशान --

तहखाना --

4. **खाली जगह पूरी करो :—**

(क) आगरा को .... का शहर कहकर पुकारा जाता है।

(ख) ताजमहल .... के किनारे ....खड़ा है ।

(ग) इस जलाशय में .... पड़ता हैं।

(घ) आज तक इस .... नहीं बनवाई।

(ङ) उन्होंने अपनी .... हमेशा जीवित रखने के लिए .... बनवाई।

5. **वाक्यों को पढ़ो और सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (x) का निशान लगाओ :—**

(क) मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी बेगम मुमताज महल की याद में ताजमहल बनवाया था। ☐

(ख) आज तक किसी ने इस तरह की इमारत नहीं बनवाई। ☐

(ग) यह विश्वभर में प्रेम की एकमात्र निशानी नहीं है। ☐

(घ) सूर्यास्त के समय इसकी आभा गुलाबी हो जाती है। ☐

(ङ) इस इमारत को बनाने में केवल बारह साल लगे। ☐

6. **पढ़ो, समझो और याद करो :—**

यह	+	ने	=	इसने
यह	+	को	=	इसको, इसे
यह	+	से	=	इससे
यह	+	के लिए	=	इसके लिए
यह	+	का/के/की	=	इसका/इसके/इसकी
यह	+	में	=	इसमें
यह	+	पर	=	इसपर

7. **याद रखो :—**

(क) दाँतों तले अँगुली दबाना = आश्चर्यचकित होना।

ताजमहल देखकर तोम्बा ने दाँतों तले अंगुली दबा ली।

(ख) कसर न छोड़ना = पूरा प्रयत्न करना, कोई कमी न छोड़ना।

प्रतियोगिता में बाजी मारने में याइमा कोई कसर नहीं छोड़ता।

पाठ – सोलह

संक्रामक रोग

कीटाणु, संक्रामक, रोग, संचरणी, संसर्गी, छिटपुट, महामारी, स्थानिक, व्यापक, अल्प, भयानक, फैलाव, माध्यम, प्रवेश, शरीर, मक्खी, खाद्य, पदार्थ, आसानी, दस्त, पेचिश, हैजा, खतरनाक, मच्छर, मलेरिया, रक्त, विषैला, क्षय, एड्स, बचाव, मच्छरदानी, बरतना, चिकित्सा, जाँच, सलाह।

बहुत ही छोटे-छोटे कीटाणुओं द्वारा एक प्राणी से दूसरे प्राणी तक फैलाए जाने वाले रोगों को संक्रामक रोग कहते हैं। इन्हें संचरणी या संसर्गी रोग भी कह सकते हैं। ऐसे रोगियों के संसर्ग में रहने से किसी भी व्यक्ति को रोग लग जाता है। संक्रामक रोग बहुत ही छोटे कीटाणुओं द्वारा फैलाए जाते हैं। हम इन कीटाणुओं को आँखों से नहीं देख पाते। संक्रामक रोग तीन प्रकार के होते हैं — छिटपुट बीमारी, महामारी और स्थानिक बीमारी।

पहले प्रकार की बीमारी कुछ लोगों को ही लगती है। यह रोग व्यापक रूप से नहीं फैलता। दूसरे प्रकार का रोग है महामारी। यह रोग दूर-दूर तक फैल सकता है। यह अल्प समय में ही भयानक रूप धारण कर लेता है। इसमें रोगी बहुत कष्ट पाता है। तीसरे प्रकार का रोग एक जगह सीमित रहता है। उसे स्थानिक बीमारी कहा जाता है।

संक्रामक रोगों का फैलाव तीन माध्यमों से होता है। हवा और पीने के पानी को माध्यम बनाकर संक्रामक रोग के छोटे-छोटे कीटाणु मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इधर-उधर उड़ती मक्खियाँ कीटाणुओं को खाद्य पदार्थों पर छोड़ देती हैं। ऐसी चीजों को खाने से कीटाणु मनुष्य के शरीर में आसानी से प्रवेश करके रोग फैलाते हैं। इस तरह फैलने वाले रोगों में दस्त, पेचिश और हैजा उल्लेखनीय हैं। बच्चों के लिए दस्त की बीमारी बहुत खतरनाक होती है।

संक्रामक रोगों के फैलने का दूसरा माध्यम हैं, मच्छर। मच्छरों के काटने से मलेरिया हो जाता है। मलेरिया के रोगियों का रक्त विषैला हो जाता है। मच्छर इस विषैले रक्त को अपने पेट

में भर कर किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में छोड़ देते हैं। इससे वह व्यक्ति भी मलेरिया का रोगी बन जाता है। इस तरह संक्रामक रोग फैलता है।

तीसरा मार्ग है संसर्ग। संसर्ग से होने वाले रोगों में क्षय रोग सब से खतरनाक है।

इन सब रोगों के बचाव के लिए साफ-सुथरा रहना और मच्छरदानी का प्रयोग करना आवश्यक है। इसके अलावा नियमित चिकित्सा जाँच कराना और रोग हो जाने पर चिकित्सक की सलाह के अनुसार चलना भी जरूरी है।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

कीटाणु	=	अति सूक्ष्म कीड़ा, जो आँखों से दिखाई नहीं देता।
प्राणी	=	जीव-जन्तु, जिसमें प्राण हो।
संक्रामक	=	संसर्ग से फैलने वाला रोग।
संचरणी	=	फैलाव।
अल्प समय	=	थोड़ा समय।
भयानक	=	डरावना, भयकारी।
आसानी	=	सरलता।
खतरनाक	=	खतरे से भरा हुआ, जोखिम से पूर्ण।
उल्लेखनीय	=	लिखने योग्य, बताने योग्य।
विषैला	=	विष से भरा, ज़हरीला।
मच्छरदानी	=	मच्छरों से बचाने वाला विशेष रूप से सिला कपड़ा, मसहरी।
चिकित्सा	=	रोग दूर करने का इलाज।
जाँच	=	परीक्षा, परख।
सलाह	=	राय, मंत्रणा।

2. **उत्तर दो :—**

(क) संक्रामक रोग किसे कहते हैं ?

(ख) इन्हें और किस नाम से पुकार सकते हैं ?

(ग) ये रोग किनके द्वारा फैलाए जाते हैं ?

(घ) ये रोग कितने प्रकार के होते हैं ?

(ङ) हर प्रकार के रोग के नाम लिखो।

(च) कौन-सा संक्रामक रोग अल्प समय में भयानक रूप ले सकता है ?

(छ) संक्रामक रोग किन-किन माध्यमों से फैल सकते हैं ?

(ज) संक्रामक रोगों से बचाने के लिए क्या-क्या करना चाहिए ?

(झ) इस पाठ को पढ़ने के बाद तुम दूसरों को क्या संदेश देना चाहो गे ?

(ञ) किन्हीं दो संक्रामक रोगों के बारे कें तीन-तीन वाक्य लिखिए ।

3. **वाक्य बनाओ :—**

संक्रामक ---

अल्प ---

कीटाणु ---

भयानक ---

प्राणी ---

खतरनाक ---

विषैला ---

चिकित्सा ---

सलाह ---

जाँच ---

4. **खाली जगह भरो :—**

(क) संक्रामक रोग बहुत ही छोटे ------------------------ फैलाए जाते हैं ।

(ख) महामारी ------------------------------------ फैल सकती है ।

(ग) यह अल्प समय में ही ------------------------- धारण कर लेता है ।

(घ) बच्चों के लिए ------------- बहुत ------------------ होती है ।

(ङ) मच्छरों के काटने -------------------------------- हो जाता है ।

5. **पढ़ो, समझो और याद करो :—**

तुम	+	ने	=	तुमने
तुम	+	को	=	तुमको, तुम्हें
तुम	+	से	=	तुमसे
तुम	+	के लिए	=	तुम्हारे लिए
तुम	+	का/के/की	=	तुम्हारा/तुम्हारे/तुम्हारी
तुम	+	में	=	तुममें
तुम	+	पर	=	तुमपर

6. **तालिका को ध्यान से देखो, पढ़ो तथा खण्ड 'क' और 'ख' के वाक्यांशों को सही ढंग से जोड़ कर लिखो :—**

क	**ख**	
(अ)	एक सीमित जगह पर स्थित रहने वाले रोग को	**(अ)** संक्रामक रोग कहते हैं।
(आ)	बहुत ही छोटे-छोटे कीटाणुओं द्‌वारा फैलाए जाने वाले रोगों को	**(आ)** बहुत ही खतरनाक होती है।
(इ)	बच्चों के लिए दस्त की बीमारी	**(इ)** दूसरा माध्यम हैं मच्छर।
(ई)	विषैले मच्छरों के काटने से	**(ई)** स्थानीय बीमारी कही जाती है।
(उ)	संक्रामक रोगों के फैलाने का	**(उ)** मलेरिया हो जाता है।

(अ) --

(आ) --

(इ) --

(ई) --

(उ) --

7. वर्तनी सही करके लिखो :—

कीतानु, संकरामक, बीमारि, सीमिट, मच्छरदाणि, प्रानी, दसत।

-------------- -------------- ------------

-------------- -------------- ------------

-------------- -------------- ------------

पाठ – सत्रह

वायु और वायु-प्रदूषण

आवरण, परत, वायु-मण्डल, सतह, नजदीक, क्षोभ-मण्डल, शास्त्र, दिक्पाल, अतिरिक्त, ग्रह, उपग्रह, गैस, उद्योग, चिमनी, धुँआ, इकट्ठा, धूल, असंख्य, जमाव, वाहन, रेगिस्तान, गगन, विश्वास, आबादी, सम्पूर्ण, स्नायु-तंत्र, अन्धापन, दर्द, ईंधन, खोज, प्रयास।

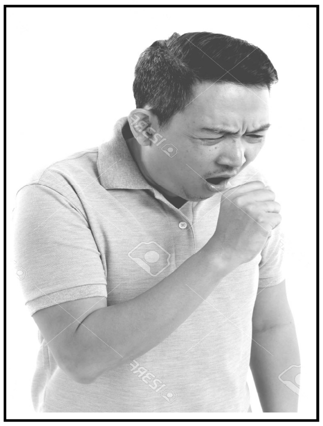

कोई भी प्राणी बिना वायु के देर तक नहीं जी सकता। इसलिए इसको प्राण भी कहा गया है। वायु को हवा भी कहते हैं। हमारी पृथ्वी के चारों ओर वायु की परतें हैं । इसे हम वायु-मण्डल कहते हैं। इसकी चार सतह हैं। पृथ्वी के सब से नजदीक वाली सतह है — 'क्षोभ मण्डल'। यह पृथ्वी के ऊपर 11 कि० मी० तक फैली है। हम इसमें साँस लेते हैं।

वैज्ञानिकों का विचार है कि बुध ग्रह के अतिरिक्त सब ग्रहों तथा तारों पर वायु है। लेकिन उपग्रहों पर वायु नहीं है। वायुमण्डल में गैस और अन्य पदार्थ भी मौजूद हैं। हमारी पृथ्वी का वायु-मण्डल धीरे-धीरे प्रदूषित होता जा रहा है। इसके पीछे कौन-कौन-से कारण हैं ?

वैज्ञानिकों के मतानुसार छोटे-बड़े उद्योग केन्द्रों की चमनियों से दिनरात निकलता धुँआ इसका मुख्य कारण है। यह आकाश में इकट्ठा होता रहता है। तरह-तरह की गैस भी इसमें मिल जाती हैं। इससे वायुमण्डल प्रदूषित होता है।

वायु-मण्डल में धूल के छोटे-छोटे असंख्य कण उड़ते रहते हैं। कही-कहीं इनका बहुत जमाव हो जाता है। यह धूल कहाँ से आती है ? सड़कों पर रोजाना असंख्य वाहन इधर से उधर दौड़ते हैं। रेगिस्तान में तेज हवाएँ चलती हैं। वनों को काटने से जमीन सूख जाती है। इससे धूल उड़ती है। यही धूल हवा द्वारा गगन तक पहुँचती है। वहाँ पहुँचकर वायु-मण्डल की सारी वायु को प्रदूषित कर देती है।

पहले विश्वास करते थे कि वायु-प्रदूषण केवल उद्योग केन्द्रों के निकट और अधिक आबादी वाले शहरों तक ही सीमित है। लेकिन वायु-मण्डल में हवा एक जगह से दूसरी जगह तक पहुँचती रहती है। इसलिए हमारा सम्पूर्ण वायु-मण्डल प्रदूषण के घेरे में आ गया है। प्रदूषित वायु से सभी प्राणियों के जीवन पर काफी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। प्राणियों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है और अनेक बीमारियाँ उत्पन्न हो रही हैं। स्नायु-तंत्र खराब होना, जल्दी अन्धापन आना, सिर चकराना और दर्द होना, असमय फेफड़े खराब होना — ये सब वायु प्रदूषण के फल हैं। वैज्ञानिकों ने वायु-मण्डल को प्रदूषण से बचाने के लिए प्रयास करने शुरू कर दिए हैं। कारखानों, रेलों, मोटरों आदि के लिए प्रदूषण मुक्त ईंधन की खोज की जा चुकी है। बिजली और सी० एन० जी० (कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस) ऐसा ही ईंधन हैं।

अपने वायु-मण्डल को प्रदूषण से बचाने के लिए हम सब को मिलकर प्रयास करने होंगे।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

वायु	=	हवा, समीर।
प्राण	=	जीवन, जान।
पदार्थ	=	वस्तु, चीज।
प्रदूषित	=	हवा, पानी आदि का विकृत होकर हानिकारक रूप धारण करना।

वाहन	=	किसी को ढोने वाला साधन (साइकिल, रिक्सा, मोटर, रेलगाड़ी आदि)।
गगन	=	आकाश, व्योम।
सम्पूर्ण	=	परिपूर्ण, पूरा।
प्रभाव	=	शक्ति, सामर्थ्य, प्रताप।
उत्पन्न	=	पैदा होना।
सीमित	=	सीमा में बंधा हुआ।

2. **उत्तर दो :—**

(क) वायु को प्राण क्यों कहा गया है ?
(ख) वायु को और क्या कहकर जानते हैं ?
(ग) पृथ्वी के चारों ओर की वायु की परतों को क्या कहते हैं ?
(घ) पृथ्वी के सब से नजदीक वाली सतह का नाम क्या है ?
(ङ) क्षोभ-मण्डल पृथ्वी के ऊपर कितनी दूरी तक फैला है ?
(च) क्षोभ-मण्डल में हम क्या करते हैं ?
(छ) शास्त्रों में वायु को क्या माना गया है ?
(ज) वैज्ञानिकों के अनुसार किस ग्रह पर वायु नहीं है ?
(झ) वायुमण्डल में क्या क्या मौजूद हैं ?
(ञ) पृथ्वी का वायु-मण्डल कैसे प्रदूषित होता जा रहा है ?
(ट) प्रदूषण का मुख्य कारण क्या है ?
(ठ) पहले प्रदूषण कहाँ तक सीमित समझा जाता था ?
(ड) प्रदूषित वायु से प्राणियों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है ?
(ढ) वायु-प्रदूषण से उत्पन्न हुई बीमारियाँ कौन-कौन-सी हैं ?
(ण) वायु-मण्डल को प्रदूषण से बचाने के लिए क्या किया गया है ?
(त) प्रदूषण कितने प्रकार के होते हैं ? उनके नाम बनाओ ।
(थ) जल प्रदूषण के बारे में चार वाक्य लिखो ।
(द) धरती पर गर्मी क्यों बढ़ती जा रही है ?

3. **वाक्य बनाओ :—**

प्राण ---

सतह ---

दिक्पाल ---

अतिरिक्त ---

प्रदूषित ---

धूल ---

सीमित ---

प्रभाव ---

प्रयास ---

खोज ---

4. तालिका को ध्यान से देखो, पढ़ो तथा खण्ड 'क' और 'ख' के वाक्यांशों को सही ढंग से जोड़ कर लिखो :-

क	ख
(अ) वैज्ञानिकों का विचार है कि बुध ग्रह के अतिरिक्त	**(अ)** इसमें मिल जाती हैं ।
(आ) उपग्रहों पर	**(आ)** पदार्थ भी मौजूद हैं ॥
(इ) वैज्ञानिकों के मतानुसार छोटे-बड़े उद्योग-केन्द्रों की	**(इ)** वायु नहीं है ।
(ई) वायु मण्डल में गैस और अन्य	**(ई)** चिमनियों से दिन रात निकलता धुआँ इसका मुख्य कारण है ।
(उ) तरह-तरह की गैसें भी	**(उ)** सब ग्रहों तथा तारों पर वायु है ।

(अ) ---

(आ) ---

(इ) ---

(ई) ---

(उ) ---

5. पढ़ो, समझो और याद करो :—

वायु	—	पुंल्लिंग
पृथ्वी	—	स्त्रीलिंग
सतह	—	स्त्रीलिंग
ग्रह	—	पुंल्लिंग
चिमनी	—	स्त्रीलिंग
धुँआ	—	पुंल्लिंग
धूल	—	स्त्रीलिंग
हवा	—	स्त्रीलिंग
सड़क	—	स्त्रीलिंग

6. पढ़ो, समझो और याद करो :—

विभिन्न विभक्तियों के योग से परिवर्तित 'वे' के रूप–

वे	+	ने	=	उन्होंने
वे	+	को	=	उनको, उन्हें
वे	+	से	=	उनसे
वे	+	के लिए	=	उनके लिए
वे	+	का/के/की	=	उनका/उनके/उनकी
वे	+	में	=	उनमें
वे	+	पर	=	उनपर

पाठ – अठारह

विष्णुपुर का विष्णु मंदिर

तलहटी, मुख्याालय, रमणीक, युद्ध, शाल-चक्र, भेंट, निधन, प्रतिस्थापित, निर्माण, राज्य-काल, छत, नोकदार, ईंट, प्रणाली, बनावट, मशहूर।

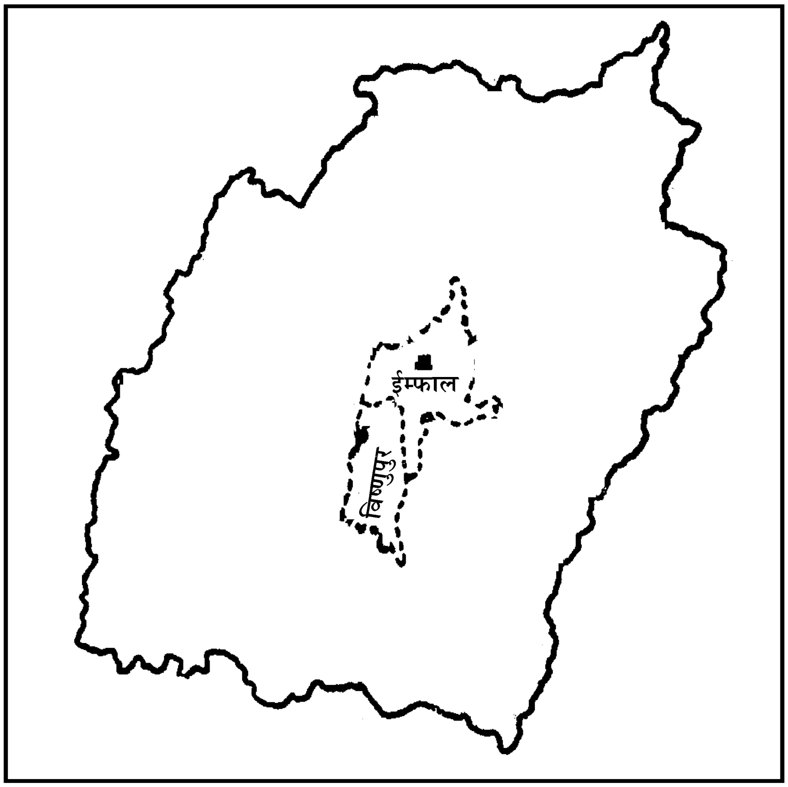

तुम लोगों ने विष्णुपुर का नाम सुना होगा। यह इम्फाल-टिड्डीम रोड पर है। यह पहाड़ी तलहटी में बसा हुआ एक नगर है। यह इम्फाल से 27 किलोमीटर दूर है। यह विष्णुपुर जिले का जिला-मुख्यालय है। यह एक सुन्दर और रमणीक स्थान है।

राजा कियाम्बा लमाङ्दोङ् (वर्तमान विष्णुपुर) के राजा थे। पोङ् राजा चौफा खिखोम्बा इनका मित्र था। दोनों राजाओं ने मिलकर कियाम खम्पात युद्ध जीता। राजा चौफा खिखोम्बा ने राजा कियाम्बा को विष्णु का एक शाल-चक्र भेंट के रूप में दिया। सन् 1474 में राजा कियाम्बा ने लमलाङ्तोङ् में विष्णु की प्रथम पूजा की। विष्णु की पूजा का पहला स्थान होने के कारण उस जगह का नाम विष्णुपुर पड़ गया। तब से उस स्थान को विष्णुपुर के नाम से जाना जाता है।

यह रही विष्णु और विष्णुपुर से संबंधित बात। अब विष्णु मंदिर की बातें सुनो। विष्णु मंदिर विष्णुपुर में है। इसका निर्माण-काल सन् 1520 है। राजा कियाम्बा के राज्य-काल में इसका निर्माण हुआ था। इस मंदिर का एक ही कमरा है। इसकी छत गुम्बदकार है। यह मंदिर विशेष प्रकार की छोटी ईंटों से बना हुआ है। इन ईंटों को चीनी-प्रणाली से बनाई गई ईंटें कहा जाता है। मंदिर की बनावट में भी चीन की भवन-निर्माण कला का प्रभाव है। इस कारण यह मंदिर बहुत मशहूर है। विष्णु का शाल-चक्र इम्फाल में श्री श्रीगोविन्द के मंदिर में प्रतिस्थापित होने के बाद आज यह मंदिर वहाँ अकेला चुपचाप खड़ा है।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

तलहटी	=	तराई, पहाड़ के नीचे का समतल, मैदानी भू-भाग।
जिला-मुख्यालय	=	जिले का प्रधान प्रशासनिक स्थान।
रमणीक	=	सुन्दर, मनोहर।
भेंट	=	उपहार।
प्रतिस्थापित	=	फिर से स्थापित।
राज्य-काल	=	शासन काल।
निर्माण-काल	=	बनाने में लगने वाला समय।
गुम्बदकार	=	गोलाकार।
प्रणाली	=	पद्धति, ढंग।
बनावट	=	रचना, गठन, बनाने का तरीका।

तरीका	=	ढंग, प्रकार।
प्रभाव	=	अच्छा या बुरा परिणाम, असर।
मशहूर	=	प्रसिद्ध।
देख-रेख	=	देख-भाल।

2. **उत्तर दो :—**

(क) विष्णुपुर कहाँ है ?

(ख) विष्णुपुर कहाँ बसा हुआ है ?

(ग) विष्णुपुर इम्फाल से कितनी दूर है ?

(घ) विष्णुपुर कौन-से जिले का जिला-मुख्यालय है ?

(ङ) विष्णुपुर नाम के साथ किस किस का नाम जुड़े हुए हैं ?

(च) विष्णुपुर का पुराना नाम क्या था ?

(छ) राजा कियाम्बा के मित्र का नाम क्या था ?

(ज) राजा कियाम्बा और उनके मित्र ने मिलकर कौन सा युद्ध जीता ?

(झ) विष्णुपुर में विष्णु की प्रथम पूजा कब की गई ?

(ञ) विष्णुपुर नाम कैसे पड़ा ?

(ट) विष्णु मंदिर कहाँ है ?

(ठ) विष्णु मंदिर का निर्माण कब और किसके राज्य-काल में हुआ था ?

(ड) विष्णु मंदिर में कितने कमरे हैं ?

(ढ) विष्णु मंदिर की छत का आकार कैसा है ?

(ण) विष्णु मंदिर किससे बना हुआ है ?

(त) मंदिर की बनावट में किसका प्रभाव है ?

(थ) विष्णुपुर मंदिर क्यों मशहूर है ?

(द) आज यह क्यों खाली हो गया ?

(ध) मणिपुर के प्रसिद्ध मन्दिरों के नाम बाताओ ?

3. **वाक्य बनाओ :—**

तलहटी ---

रमणीक---

प्रतिस्थापित---

राज्य-काल---

प्रणाली---

बनावट---

प्रभाव---

अकेला ---

4. **खाली जगह भरो :—**

(अ) विष्णुपुर इम्फाल से .... दूर है।

(आ) राजा कियाम्बा के .... निर्माण हुआ था।

(इ) विष्णु मंदिर .... में है।

(ई) विष्णु-मंदिर की बनावट में .... का प्रभाव है।

6. **तालिका को ध्यान से देखो, पढ़ो, तथा 'क' और 'ख' स्तंभों के वाक्यांशों को सही ढंग से जोड़ो और लिखो :—**

क	ख
(अ) विष्णुपुर	**(अ)** लमाङ्दोङ् में विष्णु की प्रथम पूजा की।
(आ) पोङ् राजा चौफा खिखोम्बा	**(आ)** विशेष प्रकार की छोटी ईंटों से बना हुआ है।
(इ) सन् 1474 को राजा कियाम्बा ने	**(इ)** पहाड़ की तलहटी में बसा हुआ एक नगर है।
(ई) विष्णु-मंदिर	**(ई)** विष्णु-मंदिर का निर्माण हुआ।
(उ) राजा कियाम्बा के राज्य-काल में	**(उ)** राजा कियाम्बा का मित्र था।

(अ) --

(आ) --

(इ) --

(ई) --

(उ) --

6. **सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (x) का निशान लगाओः—**

(क) विष्णुपुर विष्णुपुर जिले का जिला-मुख्यालय है । ☐

(ख) विष्णु की पूजा का पहला स्थान होने के कारण उस जगह का नाम विष्णुपुर पड़ गया । ☐

(ग) विष्णु-मंदिर की छत गुम्बदकार है । ☐

(घ) अब भी विष्णु का शाल-चक्र विष्णु-मंन्दिर में है । ☐

पाठ – उन्नीस

अरुणाचल प्रदेश

विवाह, तय, क्रोधित, बन्दी, आदेश, गुफा, युद्ध, विनाश, वध, भीख, केश, गुच्छा, लज्जा, निर्मित, क्षेत्रफल, स्वीकार, स्तर, लोक-नृत्य, ढलान, जौ ज्वार, घाटी, तम्बाकू, हस्त-शिल्प, चित्र-कला, कुशल।

अरुणाचल प्रदेश का क्षेत्रफल 83,743 (तिरासी हज़ार सात सौ तेंतालीस) वर्ग कि०मी० है। इसके उत्तर में तिब्बत व चीन, पूर्व में म्यानमार, दक्षिण में असम और नागालैण्ड हैं। सन् 1955 में इस राज्य को नेफा (एन.ई.एफ.ए. — नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर एजेन्सी) नाम दिया गया। सन् 1972 में इसका अरुणाचल प्रदेश नाम स्वीकार किया गया। पहले यह केन्द्र शासित प्रदेश था। सन् 1987 में इसे पूर्ण-राज्य का स्तर प्राप्त हुआ। इस राज्य में तेरह ज़िले हैं। यहाँ अनेक जन-जातियाँ निवास करती हैं, जैसे — मोनपा, मेम्बा, इदुं, मिश्मी, खामति, रामो, आपातानी, निशि आदि।

अरुणाचल प्रदेश के लोग परिश्रमी होते हैं। वे आपस में प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं। उनमें अनेक प्रकार के लोक-नृत्य प्रचलित हैं। किसान पहाड़ी ढलानों पर बने खेतों में धान, जौ, ज्वार आदि उगाते हैं। घाटी के खेतों में आलू तथा अन्य

सब्जियाँ उगाई जाती हैं। यहाँ तम्बाकू की खेती भी की जाती है। यहाँ के लोग हस्त-शिल्प और चित्र-कला में भी कुशल होते हैं।

अरुणाचल प्रदेश एक सुन्दर और महान राज्य है।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

सेना	=	फौज।
गुफा	=	कन्दरा, गुहा।
युद्ध	=	लड़ाई।
वध	=	मारना, हत्या।
गुच्छ	=	समूह, एक साथ बँधी हुई वस्तुओं का झब्बा।
लज्जा	=	शरम।
निवास	=	रहना।
परिश्रमी	=	मेहनती।
हस्त-शिल्प	=	हाथ की कारीगरी से वस्तुएँ बनाने की कला।

2. **उत्तर दो :—**

(क) अरुणाचल प्रदेश का क्षेत्रफल कितना है ?

(ख) अरुणाचल प्रदेश को पहले किस नाम से पुकारते थे ?

(ग) इसे पूर्ण राज्य का स्तर कब प्राप्त हुआ ?

(घ) अरुणाचल प्रदेश की प्रमुख जन-जातियाँ कौन-कौन सी हैं ?

(ङ) पहाड़ी ढलानों पर बने खेतों में क्या क्या उगाए जाते हैं।

(च) अरुणाचल प्रदेश के लोग किसमें कुशल होते हैं ?

(छ) उत्तर-पूर्वी राज्यों के नाम बताओ ।

3. **वाक्य बनाओ :—**

विवाह --

आदेश --

सेना --

गुफा --

युद्ध --

वध --

निवास --

कुशल --

4. **तालिका को ध्यान से देखो, पढ़ो, तथा 'क' और 'ख' के वाक्यांशों को सही ढंग से जोड़ कर लिखो :—**

क	ख
(अ) अरुणाचल प्रदेश के लोग	**(अ)** अन्य सब्जियाँ उगाई जाती हैं।
(आ) उनमें अनेक प्रकार के	**(आ)** चित्रकला में भी कुशल होते हैं।
(इ) किसान पहाड़ी ढलानों पर	**(इ)** परिश्रमी होते हैं।
(ई) घाटी के खेतों में आलू तथा	**(ई)** लोक-नृत्य प्रचलित हैं।
(उ) यहाँ के लोग और हस्त-शिल्प और	**(उ)** बने खेतों में धान, जौ, ज्वार आदि उगाते हैं।

(अ) ---

(आ) ---

(इ) ---

(ई) ---

(उ) ---

5. **पढ़ो और याद करो :—**

विवाह	–	पुल्लिंग	गुफा	–	स्त्रीलिंग
सेना	–	स्त्रीलिंग	भीख	–	स्त्रीलिंग
पुत्र	–	पुल्लिंग	प्राण	–	पुल्लिंग

6. **विभक्ति के साथ 'वह' के रूप ध्यान से देखो, समझो और याद करो :**

वह	+	ने	=	उसने
वह	+	को	=	उसको, उसे
वह	+	से	=	उससे
वह	+	के लिए	=	उसके लिए
वह	+	का/के की	=	उसका/उसके/उसकी
वह	+	में	=	उसमें
वह	+	पर	=	उसपर

पाठ – बीस

चींटी

नन्हा, चींटी, पंक्ति, बाँह, साहस, परिश्रम, सूझबूझ, उत्साह, लगन, चंदा, आलस, निश्चय।

नन्हें - नन्हें पैरों से तुम,
पर्वत पर चढ़ जाती हो।
मुझे बताओ चींटी रानी,
कैसे यह कर पाती हो!

आँखें नहीं तुम्हारी, फिर भी,
पंक्ति बना कर आती हो।
दूर देश तक जाती, फिर भी,
अपने घर आ जाती हो।।

‘साहस और परिश्रम के बल,
मैं सब कुछ कर लेती हूँ।
ले मन में विश्वास धरा यह –
बाँहों में भर लेती हूँ।

सूझबूझ, उत्साह, लगन से,
प्राणी सब कुछ पा सकता।
धरती की तुम बात छोड़ दो,
चंदा तक भी जा सकता ।।

आलस छोड़ो चलो काम पर,
तभी सफलता पाओगे।
काम करोगे तो निश्चय ही,
तुम ऊँचे उठ जाओगे।।’’

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

नन्हा	=	छोटा।
पर्वत	=	पहाड़।
साहस	=	हिम्मत।
परिश्रम	=	प्रयास , मेहनत ।
बाँह	=	बाहु, भुजा।
सूझबूझ	=	सोचने-समझने की बुद्धि।
उत्साह	=	उमंग।
लगन	=	लगाव।
आलस	=	सुस्ती, काम न करने की इच्छा।

2. **उत्तर दो :—**

(क) नन्हें पैरों से पर्वत पर कौन चढ़ जाता है ?

(ख) आँखें न होने पर भी चींटी कैसे आती है ?

(ग) चींटी कहाँ तक जाकर घर लौट आती है ?

(घ) चींटी किसके बल पर सब कुछ कर लेती है ?

(ङ) चींटी किसे बाँहों में भर लेती है ?

(च) प्राणी सब कुछ कैसे पा सकता है ?

(छ) चींटी धरती के अलावा और कहाँ तक जा सकती है ?

(ज) सफलता के लिए किसे छोड़ना आवश्यक है ?

(झ) ऊँचा उठने के लिए क्या आवश्यक है ?

(ञ) इस कविता से क्या शिक्षा मिलती है ?

(ट) चींटी के जीवन के बारे में पाँच वाक्य लिखो ।

(ठ) मधुमक्खी और चींटी के जीवन में क्या अन्तर है ।

(ड) हमें उनसे क्या-क्या सीखना चाहिए ?

3. **वाक्य बनाओ :—**

नन्हा --

पर्वत --

पंक्ति --

साहस --

विश्वास --

धरती --

सफलता --

निश्चय --

4. **पूरा करो :—**

सूझबूझ, उत्साह, लगन से,

.... ।

धरती की तुम .... ।

.... जा सकता ॥

5. **विभिन्न विभक्तियों के साथ 'वे' के रूपों को पढ़ो, समझो और याद करो :–**

वे +ने	=	उन्होंने
वे+ को	=	उनको, उन्हें
वे + से	=	उनसे
वे + के लिए	=	उनकेलिए
वे + का/के/की	=	उनका/उन्हे / उनकी
वे +में	=	उनमें
वे + पर	=	उनपर

पाठ – इक्कीस

जगदीशचन्द्र बसु

छुईमुई, मुर्झाना, बगीचा, सूरजमुखी, प्रातःकाल, दिशा, अनुभव, छूना, इच्छा, पंखुड़ी, परेशान, जिज्ञासा, तंग, मचलना, सवाल, हलका, झिड़की, बिस्तर, साधन, निश्चय, अवश्य, रहस्य, वैज्ञानिक, अविभाजित, अध्यापक, भौतिक-विज्ञान, प्रतिज्ञा, परिश्रम, अन्वेषण-बुद्‌धि, यन्त्र, उत्पन्न, कम्पन, वनस्पति, उपस्थिति, सिद्‌ध, महान, प्रकृति, पर्यावरण, यश, सपूत, देहान्त।

एक बालक ने छुईमुई के पौधे को छुआ। पौधे की पत्तियाँ मुर्झाती चली गईं। बालक को आश्चर्य हुआ। उसने छुईमुई के दूसरे पौधे को हाथ लगाया। वह भी मुर्झा गया। बालक ने सोचा, ''ऐसा क्यों हुआ ?''

एक सुबह वही बालक अपने बगीचे में गया। वहाँ सूरजमुखी का फूल खिल रहा था। उसका मुँह सूरज की दिशा में था। बालक उसे ध्यान से देखने लगा। सूरज आकाश में ऊपर की ओर आने लगा। सूरजमुखी का फूल भी अपना मुख ऊपर की ओर उठाने लगा। बालक ने इस बात पर ध्यान दिया। उसकी आँखें फूल पर जम गई। सूरजमुखी का फूल सूर्य की गति के साथ ही अपना मुख घुमाता रहा। प्रातः काल उसका मुख पूर्व दिशा की ओर था। शाम को पश्चिम दिशा की ओर हो गया। बालक के मन में सवाल उठा, ''क्या पेड़े-पौधे भी मनुष्य की भाँति ही अनुभव करते हैं ?''

शाम फिर आई थी। बालक के मन में सूरजमुखी के फूल को छूने की इच्छा जागी। वह उसकी पंखुड़ियों को छूने लगा। इतने में उसकी माँ वहाँ आ निकली। माँ ने कहा, ''तुम उस पौध

को क्यों परेशान कर रहे हो ? चलो घर। यह पेड़-पौधों के सोने का समय है, उन्हें सोने दो।'' बालक ने जिज्ञासा की, ''माँ, क्या पेड़-पौधे भी हमारी तरह सोते और जागते हैं ?''

''हाँ, इसीलिए तो कह रही हूँ, उन्हें तंग मत करो।'' माँ ने उत्तर दिया।

''क्या पेड़-पौधों को सुख-दुख का अनुभव भी होता है ?'' बालक ने फिर पूछा।

''हाँ, हाँ। पेड़-पौधे भी सब कुछ हमारी तरह ही अनुभव करते हैं।'' माँ बोली।

''माँ, यह सब तुम्हें कैसे पता चला? मुझे भी समझाओ।'' बालक मचल उठा।

''अब ज्यादा सवाल न करो। चलो।'' माँ ने बालक को हलकी-सी झिड़की दी और बगीचे से बाहर आ गई।

बालक का मन शान्त नहीं हुआ। बिस्तर पर लेटते ही उसकी आँखों के सामने सूरजमुखी का फूल और छुईमुई के पौधे आ खड़े हुए। बालक ने सोचा, ''क्या पेड़-पौधों में जीवन होता है ?'' अभी इस सवाल का उत्तर खोजने का कोई साधन उसके पास नहीं था। उसने निश्चय किया, बड़ा होकर वह अवश्य ही इस रहस्य को खोज निकालेगा।

यह बालक पढ़ लिख कर प्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीशचन्द्र बसु बना।

जगदीशचन्द्र बसु का जन्म सन् 1858 में अविभाजित बंगाल के गाँव, मेमन सिंह में हुआ था। उन्होंने विज्ञान विषय में इंग्लैण्ड से उच्च शिक्षा प्राप्त की। भारत लौट कर वे कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में भौतिक-विज्ञान के प्राध्यापक बन गए। पेड़-पौधों में जीवन का पता लगाने की बचपन में की गई प्रतिज्ञा उन्हें बराबर याद रही।

परिश्रम और अन्वेषण-बुद्धि के बल पर उन्होंने 'क्रेस्कोग्राफ' नामक यन्त्र बनाने में सफलता प्राप्त की। इससे पौधों के बढ़ने को नापा जा सकता था। उन्होंने 'रेजोनेंट रिकार्डर' नामक एक दूसरा यन्त्र बनाया। यह काटे जाने या मरने के समय पेड़-पौधों में उत्पन्न होने वाले कम्पनों का पता लगा सकता था। इन यन्त्रों की सहायता से वनस्पति में जीवन की उपस्थिति सिद्ध हुई। यह एक महान और आश्चर्यजनक खोज थी। इसने हमें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति नए ढंग से सोचना सिखाया।

जगदीशचन्द्र का यश चारों ओर फैल गया। पश्चिम के वैज्ञानिक उन्हें 'पूर्व का जादूगर' पुकारने लगे।

सन् 1937 में राष्ट्र के इस महान सपूत का देहान्त हो गया।

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

छुईमुई	=	एक छोटा कँटीला पौधा, जिसके पत्ते किसी के छू जाने पर मुरझा जाते हैं, लाजवन्ती।
मुर्झा (मुरझा)	=	कुम्हलाना।
अनुभव	=	ज्ञान, जानकारी।
जिज्ञासा	=	जानने की इच्छा।
तंग	=	परेशान।
मचल	=	हठ, भाव।
अन्वेषण	=	खोज, तलाश।
सपूत	=	अच्छा पुत्र।
यश	=	प्रशंसा, कीर्ति, ख्याति।

2. **उत्तर दो :—**

(क) बालक ने किसे छुआ ?
(ख) एक सुबह बालक कहाँ गया था ?
(ग) बालक किसे ध्यान से देखने लगा ?
(घ) प्रातःकाल और शाम को सूरजमुखी के फूल का मुख कौन-कौन सी दिशा में था ?
(ङ) बालक के मन में कौन-सा सवाल उठा ?
(च) बिस्तर पर लेटते ही बालक की आँखों के सामने कौन-कौन आ खड़े हुए ?
(छ) बालक के पास कौन-से सवाल का उत्तर खोजने का साधन नहीं था ?
(ज) पढ़-लिख कर बालक क्या बना ?
(झ) जगदीशचन्द्र बसु का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
(ञ) जगदीशचन्द्र कहाँ और किस विषय के प्राध्यापक बन गए ?
(ट) जगदीशचन्द्र ने कौन-कौन से यन्त्र बनाए ?
(ठ) फस्कोग्राफ कौन-सा कार्य कर सकता था ?
(ड) रेजोनेंट रिकार्डर क्या पता लगा सकता था ?
(ढ) पूर्व का जादूगर किसे पुकारा जाने लगा ?
(ण) जगदीशचन्द्र बसु का देहान्त कब हुआ था ?

(त) नाबेल पुरस्कार प्राप्त करनेवाले भारतीय वैज्ञानिकों के नाम लिखो ।

(थ) मणिपुर के किसी एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक के बारे में चार वाक्य लिखो ।

3. **वाक्य बनाओ :—**

सूरजमुखी - --

प्रातःकाल --

मुरझाना --

जिज्ञासा --

अनुभव --

मचलना --

अन्वेषण --

सपूत --

4. **सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (x) का निशान लगाओः—**

(क) एक बालक ने छुईमुई के पौधे को छुआ। ☐

(ख) सूरजमुखी का मुँह सूरज की दिशा में था। ☐

(ग) बालक के मन में सूरजमुखी को छूने की इच्छा नहीं थी। ☐

(घ) जगदीशचन्द्र बसु वनस्पति विज्ञान के अध्यापक थे। ☐

(ङ) पश्चिम के वैज्ञानिक जगदीशचन्द्र को 'पूर्व का जादुगर' पुकारने लगे। ☐

5. **वाक्य पूरे करो :—**

(क) एक सुबह ही बालक .... ।

(ख) क्या पेड़-पौधे भी मनुष्य की भाँति ....।

(ग) यह बालक पढ़-लिखकर.. ।

(घ) इन यन्त्रों की सहायता से वनस्पति में .... ।

(ङ) जगदीश चन्द्र बसु का यश..।

6. **वर्तनी सही करके लिखो :—**

छूइमुई --

सुरजमूखी--

जिग्यासा--

अनवेशण--

वनसपति--

परयावरन--

उतपन्न--

परतीज्ञा--

रहैसा --

7. **पढ़ो, समझो और याद करो :—**

शब्द	—	**विपरीतार्थक शब्द**
समानता	—	असमानता
धर्म	—	अधर्म
जाति	—	विजाति
परिचय	—	अपरिचय
स्वतंत्र	—	परतंत्र
इच्छा	—	अनिच्छा
न्याय	—	अन्याय

8. **विभक्तियों के साथ 'कौन' के रूप ध्यान से पढ़ो और याद करो —**

कौन	+	ने	=	किसने
कौन	+	को	=	किसको, किसे
कौन	+	से	=	किससे
कौन	+	के लिए	=	किसके लिए
कौन	+	का/के/की	=	किसका/किसके/किसकी
कौन	+	में	=	किसमें
कौन	+	पर	=	किसपर

पाठ – बाईस

हम सब मनुष्य हैं

वर्ण-व्यवस्था, वैश्य, शूद्र, कर्म, निर्धारण, गौण, शामिल, उदय, कटघरा, भावना, छुआछूत, अलगाववाद, दीवार, पिछड़ेपन, रोड़ा, उन्नति, स्वार्थ, हानि।

पुराने काल में भारत में वर्ण-व्यवस्था प्रचलित थी। मनुष्यों को चार वर्णों में बाँटा गया था — ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र। वर्णों का आधार कर्म था। व्यक्ति का वर्ण उसके कर्म के आधार पर निर्धारित होता था। ब्राह्मण का पुत्र कभी-कभी शूद्र जैसे कार्य करता था। उसे शूद्र वर्ण में गिना जाता था। शूद्र का पुत्र क्षत्रिय जैसे कर्म करता था। उसे क्षत्रिय वर्ण का माना जाता था। यही बात अन्य सब वर्णों के लिए भी सही थी।

कुछ काल बाद यह व्यवस्था बदल गई। अब वर्ण का निर्धारण कर्म के आधार पर न होकर जन्म के आधार पर होने लगा। जन्म मुख्य हो गया और कर्म गौण। ब्राह्मण का पुत्र अज्ञानी होने पर भी ब्राह्मण ही माना जाने लगा। शूद्र का पुत्र विद्वान होकर भी ब्राह्मण वर्ण में शामिल होने योग्य नहीं माना गया। इसी तरह क्षत्रिय का पुत्र क्षत्रिय और वैश्य का पुत्र वैश्य कहा जाने लगा। इससे जाति-प्रथा का उदय हुआ। इन जातियों के अन्दर अनेक उप-जातियाँ बन गईं। लोग अपनी-अपनी जातियों और उप-जातियों के कटघरे में बन्द हो गए। वे दूसरी जातियों से दूरी बनाए रखने में ही शान समझने लगे। इससे जातिवाद की भावना ने जन्म लिया।

जातिवाद भारत के समाज की सबसे बड़ी बुराइयों में से एक है। इसने मनुष्य और मनुष्य के बीच भेदभाव, ऊँचनीच, छुआछूत, अलगाववाद और शत्रुता की दीवार खड़ी कर दी है। आए दिन जातिवादी संघर्ष देखने को मिलते हैं। जातिवाद समाज के पिछड़ेपन का एक गंभीर कारण है। यह सामाजिक और राष्ट्रीय एकता के मार्ग का रोड़ा है।

हम सब मनुष्य हैं। मनुष्यों के केवल दो वर्ग हैं — अच्छे मनुष्य और बुरे मनुष्य। अपनी उन्नति के साथ-साथ समाज की भलाई करने वाले अच्छे मनुष्य कहलाते हैं। अपने स्वार्थ के लिए समाज की हानि पहुँचाने वाले बुरे मनुष्य कहलाते हैं।

हम सोचें, हमें अच्छा मनुष्य बनना है या बुरा !

प्रश्न-अभ्यास

1. **नीचे लिखे शब्दों के अर्थों को समझो :—**

आधार	=	सहारा, आश्रय, अवलम्ब।
निर्धारित	=	निश्चित, ठहराया हुआ।
प्रचलित	=	व्यवहार में आया हुआ।
गौण	=	साधारण, अमुख्य, अप्रधान।

शामिल	=	सम्मिलित, संयुक्त।
उदय	=	प्रकट होना, निकलना।
कटघरा	=	बड़ा पिंजरा।
दीवार	=	मिट्टी, ईंट आदि का बना हुआ घेरा।
रोड़ा	=	बाधा ।
स्वार्थ	=	अपना प्रयोजन, अपना लाभ।

2. **उत्तर दो :—**

(क) पुराने काल में भारत में कौन-सी व्यवस्था प्रचलित थी ?
(ख) चार वर्ण कौन-कौन से थे ?
(ग) वर्ण निर्धारण का आधार क्या था ?
(घ) कुछ काल बाद वर्ण का निर्धारण किस आधार पर होने लगा ?
(ङ) जाति-प्रथा का उदय कैसे हुआ ?
(च) लोग किसमें बन्द हो गए ?
(छ) वे किसमें अपनी शान समझने लगे ?
(ज) भारत के समाज की सब से बड़ी बुराइयों में से एक कौन-सी है ?
(झ) जातिवाद ने कहाँ और किस की दीवार खड़ी कर दी है ?
(ञ) जातिवाद किसके मार्ग का रोड़ा है ?
(ट) अच्छे मनुष्य कौन हैं ?
(ठ) बुरे मनुष्य की क्या पहचान है ?
(ड) मनुष्य और जानवर में क्या अन्तर है ?
(ढ) तुम और तुमहारे दोस्त में क्या अन्तर है ?
(ध) मनुष्य का सबसे बड़ा धन क्या है ?

3. **वाक्य बनाओ :—**

व्यवस्था --

प्रचलित --

आधार --

शामिल ---

उदय ---

कटघरा ---

जातिवाद ---

संघर्ष ---

दीवार ---

4. **तालिका को ध्यान से देखो, पढ़ो तथा खण्ड 'क' और 'ख' के वाक्यांशों को सही ढंग से जोड़ कर लिखो :—**

क	ख
(अ) कुछ काल बाद	**(अ)** और कर्म गौण।
(आ) अब वर्ण का निर्धारण कर्म के आधार पर	**(आ)** वैश्य का पुत्र वैश्य कहा जाने लगा।
(इ) जन्म मुख्य हो गया	**(इ)** यह व्यवस्था बदल गई।
(ई) ब्राह्मण का पुत्र अज्ञानी होकर भी	**(ई)** ब्राह्मण वर्ण में शामिल होने योग्य नहीं माना गया।
(उ) शूद्र का पुत्र विद्वान होकर भी	**(उ)** ब्राह्मण ही माना जाने लगा।
(ऊ) इसी तरह क्षत्रिय का पुत्र क्षत्रिय और	**(ऊ)** न होकर जन्म के आधार पर होने लगा।

(अ) ---

(आ) ---

(इ) ---

(ई) ---

(उ) ---

5. **सही कथन के आगे (✓) का निशान और गलत कथन के आगे (x) का निशान लगाओः—**

(क) जातिवाद भारत के समाज की सब से बड़ी अच्छाइयों में से एक है। ☐

(ख) यह मनुष्य और मनुष्य के बीच भेद-भाव और शत्रुता की दीवार खड़ी कर देती है। ☐

(ग) आए दिन जातिवादी संघर्ष देखने को मिलते हैं। ☐

(घ) जातिवाद समाज के पिछड़ेपन का एक गंभीर कारण है। ☐

(ङ) यह सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का वरदान है। ☐

6. **निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानो और याद करो :—**

काल	—	पुल्लिंग	जाति	—	स्त्रीलिंग
व्यवस्था	—	स्त्रीलिंग	समाज	—	पुल्लिंग
व्यक्ति	—	पुल्लिंग	दीवार	—	स्त्रीलिंग
पुत्र	—	पुल्लिंग	मनुष्य	—	पुल्लिंग
उन्नति	—	स्त्रीलिंग	भावना	—	स्त्रीलिंग

नागरिकों के मूल कर्तव्य

प्रत्येक नागरिक —

क. संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।

ख. स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे।

ग. भारत की संप्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे।

घ. देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे।

ङ. भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे, जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे, जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों।

च. हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे।

छ. प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अन्दर वन, झील, नदी और वन्य-जीव हैं — रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दया भाव रखे।

ज. वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे।

झ. सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे।

ञ. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंग,
विंध्य-हिमाचल, जमुना-गंगा
उच्छल जलधि-तरंग,
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जनगण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे।

****